RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:303 ता. 24 मई 2024, शुक्रवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

राहुल गांधी ने कहा, सपने देखना छोड़ दे भाजपा....संविधान खत्म नहीं कर सकते

नई दिल्ली । आम चुनाव के प्रचार के लिए कांग्रेस नेता और पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली में जनसभा को संबोधित किया। इस मौके राहुल गांधी ने संविधान में हमारे देश की हजारों साल पुरानी विचारधारा है, लेकिन बीजेपी कहती है कि वे संविधान को खत्म कर देगी। भाजपा वालों को ये सपने नहीं देखने चाहिए। ये लोग ऐसा कभी नहीं कर सकते है। भाजपा के सामने करोड़ों देशवासियों के साथ कांग्रेस पार्टी खड़ी है। देश के संविधान को कोई खत्म नहीं कर सकता है। राहुल ने कहा कि बीजेपी और आरएसएस के लोग आरक्षण को खत्म करने की बात करते हैं। हम आरक्षण से 50 प्रतिशत की लिमिट खत्म कर, आरक्षण को 50 प्रतिशत से आगे बढ़ाएंगे। पीएम मोदी से इंटरव्यू में पूछा गया कि देश में अमीर लोग अमीर होते जा रहे हैं, गरीब लोग गरीब होते जा रहे हैं, आपकी इस पर क्या राय है? पीएम मोदी ने 30 सेकेंड सोचा और कहा कि क्या मैं सबको गरीब कर दूं?

भगवान बुद्ध की ज्ञानस्थली बोधगया में गूंजा ऊं बुद्धं शरणं गच्छामि

- बुद्ध की 2568वीं जयंती पर निकाली प्रभात फेरी, देश-विदेश से आए श्रद्धालु हुए शामिल

गया। बिहार के गया भगवान बुद्ध की ज्ञानस्थली बोधगया में आज भगवान बुद्ध की 2568वीं जयंती मनाई जा रही है इस मौके पर प्रभात फेरी निकाली गई। बोधगया में भगवान बुद्ध की 80 फीट ऊंची प्रतिमा स्थल से निकलकर भगवान बुद्ध के मुख्य मंदिर तक प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी में देश के कोने-कोने से आए श्रद्धालु और स्कूली बच्चे भी शामिल हुए। ऊं बुद्धं शरणं गच्छमि से पूरा बोधगया शहर गुंजामय हो गया। इस अवसर पर डॉ. अशोक शाक्य नगर परिषद बोधगया अध्यक्ष ने बताया कि बुद्ध जयंती पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। हम बुद्ध जयंती के अवसर पर 10 हजार श्रद्धालु भगवान बुद्ध की 80 फीट प्रतिमा स्थल से लेकर भगवान बुद्ध की मुख्य मंदिर तक पदयात्रा निकाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस पदयात्रा में विदेश के अलावा देश के सभी राज्यों से आए श्रद्धालु इस पदयात्रा में शामिल हुए। भगवान बुद्ध के उपदेश अमन चैन शांति को देश और दुनिया में कायम रहे इसका संदेश दे रहे हैं।

रेलवे ट्रेक से मरने वाले पशुओं की जान बचाएगा एआई

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय के रक्षा उत्पादन विभाग के लिए यह एआई मॉडल तैयार किया गया है। इस तकनीक को रेलवे को देकर ट्रायल कराने की तैयारी की जा रही है। एआई के जरिये ट्रेन के ड्राइवर को 500 मीटर पहले ही पता चल जाएगा कि रेल पटरी या उसके किनारे जानवर हैं। इंजन में ट्रिगर अलार्म बजते ही स्क्रीन पर उसका वीडियो भी दिख जाएगा और ड्राइवर अलर्ट हो जाएगा। मतलब आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस अब जानवरों को ट्रेन से कटने से बचाएगा। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने एआई मॉडल विकसित किया है। इस तकनीक से ट्रेन से आए दिन जानवरों के कटने (कैटिल रन ओवर) की दुर्घटनाओं पर अंकुश लगेगा। इस तकनीकी का सबसे बड़ा फायदा जंगल वाले इलाकों में होगा। पहाड़ी इलाकों में भी रेल पटरियों के दोनों तरफ दीवारें या फेंसिंग विकसित करना बहुत मुश्किल होता है। इसके अलावा जहां फेंसिंग और दीवारें हैं, उनकी मरम्मत की जरूरत भी नहीं होगी और खर्च भी कम होगा। उत्तराखंड, हिमांचल प्रदेश जैसे राज्यों में जानवरों की ट्रेनों से आए दिन होने वाली भिड़ंत रुकेगी।उत्तर मध्य रेलवे के सीपीआरओ, हिमांशु शेखर उपाध्याय ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि रेलवे सुरक्षा और संरक्षा पर जोर देने वाली हर उच्च तकनीकी और नवाचार को अपना रहा है।

गर्मी का सितमः एशिया में घातक हीटवेव का यह लगातार तीसरा साल..

भारत समेत 7 देशों का तापमान 45 डिग्री पार, पाकिस्तान में परीक्षाएं टलीं, हीटवेव से 127 की मौत

-मप्र, छग, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में रात में तेज गर्मी पडऩे और तापमान के बढऩे के आसार

नई दिल्ली।

दुनियाभर के कई देश इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में हैं। भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान, थाईलैंड, वियतनाम, माली और लीबिया में तापमान 45 डिग्री पार जा चुका है। अमेरिका के नेशनल ओसियानिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन की रिपोर्ट के मुताबिक, कई देशों में रात में भी हीटवेव चल रही है। मई में रात का औसत तापमान दिन की तरह बढ़ गया है। साउथ एशिया में हीटवेव की आशंका 45 गुना बढ़ गई है। उधर, पश्चिम एशिया (सीरिया, इजराइल, फिलिस्तीन, जॉर्डन, लेबनान) में यह 5 गुना बढ़ी है। भारत के 9 शहरों में तापमान 45 डिग्री के पार जा पहुंचा। इजराइल और फिलिस्तीन में जंग की वजह से हीटवेव ज्यादा बढ़ी है। एशिया में घातक हीटवेव का यह लगातार तीसरा साल है। इसकी एक वजह एल नीनो भी है। हीटवेव से एक दिन में 127 लोगों की मौत हो चुकी है।

बारिश और बाढ़ से परेशान रहे पाकिस्तान में अब लू चल रही है। मोहनजोदाड़ो में तापमान 48.5 डिग्री तक पहुंच गया है। यह सामान्य से 8 डिग्री ज्यादा है। यहां परीक्षाएं टाल दी गई हैं। 31 मई तक स्कूल बंद कर दिए गए हैं। अस्पतालों को हाई अलर्ट मोड पर रखा गया हैं। वियतनाम में गर्मी की वजह से बड़ी संख्या में मछलियां मर गईं। कई तालाब पूरी तरह सूख गए। सरकार ने लोगों को घरों में रहने की हिदायत दी है।

बांग्लादेश- 26 दिन से हीटवेव, स्कूल बंद

बांग्लादेश में लगातार 26 दिन से हीटवेव चल रही है। बुधवार (22 मई) को तापमान 43.8 डिग्री तक जा पहुंचा, जो औसत से 7 डिग्री ज्यादा है। यहां अब तक 30 लोगों की मौत हो चुकी है। थाईलैंड में भी गर्मी की वजह से 30 से ज्यादा मौतें हो गई हैं। यहां स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

म्यांमार- अप्रैल से पिछले हफ्ते तक रोज 40 मौतें

म्यांमार में अप्रैल से ही हीटवेव शुरू हो गई थी। इससे देश में अप्रैल से 10 मई तक रोज 40 मौतें हुईं। यहां तापमान 48.2 डिग्री तक पहुंच गया है। मैक्सिको के जंगलों में गर्मी की वजह से बंदर पेड़ों से गिरकर मर रहे हैं। जिन इलाकों में बंदरों की मौत हो रही है, वहां तापमान 45 डिग्री सेल्सियस पार कर गया है। अब तक 138 बंदरों की मौत हो चुकी है। हीटवेव से 26 लोगों की भी मौत हो चुकी है।

राजस्थान में पारा 45 डिग्री पार

मौसम विभाग ने राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में चार दिन के लिए हीटवेव का रेड अलर्ट जारी किया है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, दिल्ली और महाराष्ट्र में भी लू का अलर्ट है। कश्मीर में भी सीजन की पहली हीटवेव चली थी। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश छोडक़र हीटवेव के अलर्ट वाले राज्यों के 50 से ज्यादा शहरों में लगातार आठवें दिन तापमान 43 डिग्री से ज्यादा दर्ज किया गया है। देश में सबसे गर्म शहर राजस्थान का बाड़मेर रहा। यहां अधिकतम तापमान 48 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। राजस्थान में आने वाले दिनों में तापमान 50 डिग्री तक पहुंच सकता है। राज्य के 19 शहरों में तापमान 45 डिग्री के पार रिकॉर्ड किया गया। वहीं गर्मी से राजस्थान के बालोतरा जिले की निर्माणाधीन रिफाइनरी में काम कर रहे एक मजदूर की मौत हो गई।

रात का तापमान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक

उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में रात में तेज गर्मी और तापमान बढऩे के आसार हैं। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, रात में तापमान अधिक होने से शरीर को ठंडा होने का मौका नहीं मिलता है, जिससे गर्मी संबंधी तनाव बढ़ सकता है। इसका कारण एसी और निजी वाहनों का बढ़ता इस्तेमाल है।

छठे चरण में भाजपा और झारखंड मुक्ति मोर्चा के बीच है मुकाबला,

कई प्रत्याशियों पर केस दर्ज तो कई करोड़पति

रांची।

लोकसभा चुनाव का छटा चरण 25 मई को पूरा होगा। इसी चरण में झारखंड में लोकसभा चुनाव के छठे चरण में धनबाद, गिरिडीह, जमशेदपुर और रांची में चुनाव होना है। इन चारों सीटों पर 25 मई को मतदान है। कुल 91 उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें 24 उम्मीदवार करोड़पति हैं, जिनमें सात निर्दलीय भी हैं। वहीं, 28 उम्मीदवारों के खिलाफ आपराधिक मामले भी दर्ज हैं। सबसे अधिक जमशेदपुर से चुनाव लड़ रहे नौ उम्मीदवार करोड़पति हैं। इस सीट से चुनाव लड़ रहे निर्दलीय उम्मीदवार सौरभ विष्णु के पास सबसे अधिक 19 करोड़ 91 लाख 09 हजार 50 रुपये की संपत्ति है। लोकसभा चुनाव के छठे चरण में प्रदेश के चार संसदीय सीटों पर होने जा रहे चुनाव में कुल 93 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और द नेशनल इलेक्शन वॉच ने कुल 91 उम्मीदवारों के शपथ पत्र का विश्लेषण कर बुधवार को रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के मुताबिक 48 (53) उम्मीदवार पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। कांग्रेस पार्टी के दोनों उम्मीदवारों पर किसी तरह का कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं है। भाजपा के तीनों ही उम्मीदवार पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। कुल 91 उम्मीदवारों में से 25 (27) करोड़पति हैं। सभी उम्मीदवारों की औसत संपत्ति करीब 1.28 करोड़ रुपए है। चारों सीटों पर मुकाबला एनडीए व इंडिया गठबंधन प्रत्याशियों के बीच है।

जमशेदपुर सीट से करोड़पति प्रत्याशी नर्दलीय प्रत्याशी बबलू प्रसाद दांगी के पास 2 करोड़ 26 लाख 96 हजार की संपत्ति है। भाजपा प्रत्याशी विद्युतवरण महतो के पास 3 करोड़ 83 लाख 45 हजार 63 रुपये की संपत्ति है। डोमन चंद्र भागीदारी पार्टी के प्रत्याशी हैं, जिनके पास 2 करोड़ 25 लाख 6 हजार 3 सौ रुपये, निर्दलीय इंद्रदेव प्रसाद के पास 1 करोड़ 50 लाख 14 हजार 677 रुपये, निर्दलीय जीतेंद्र सिंह के पास 2 करोड़ 15 लाख 34 हजार 859 रुपये, लोकहित अधिकार पार्टी के प्रत्याशी मनोज गुप्ता के पास 1 करोड़ 16 लाख 4 हजार रुपये, निर्दलीय साधु चरण के पास 1 करोड़ 94 लाख 3 हजार 880 रुपये, भारत आदिवासी पार्टी के सुकुमार सोरेन के पास 1 करोड़ 1 लाख 34 हजार रुपये की संपत्ति है। जमशेदपुर संसदीय सीट से चुनाव लड़ रहे भारतीय आजाद सेना के अरुण कुमार, भाजपा के विद्युतवरण महतो, निर्दलीय प्रत्याशी जूझा सोरेन और बसपा के प्रणव महतो के खिलाफ एक-एक मुकदमा दर्ज है। वहीं, लोकहित अधिकारी पार्टी के मनोज गुप्ता के खिलाफ 3 और झामुमो प्रत्याशी समीर मोहंती के खिलाफ 2 मुदकमे दर्ज हैं।

अभी क्या.....राजस्थान में और 2 से तीन डिग्री बढ़ेगा तापमान

मौसम विभाग ने दी हीटवेव' से 'तीव्र हीटवेव चेतावनी

जयपुर ।

लगभग पूरा राजस्थान वर्तमान में भीषण गर्मी की चपेट में हैं, जहां अधिकतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री सेल्सियस तक अधिक दर्ज हो रहा है। मौसम विभाग ने अनेक जिलों में भीषण गर्मी की चेतावनी जारी की है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार राज्य के अधिकांश इलाकों में रात का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। राज् में अधिकतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से सात डिग्री सेल्सियस तक अधिक दर्ज किया जा रहा है। मौसम केंद्र के अनुसार राज्य के लोगों को इस भीषण गर्मी से तत्काल राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं है। इसके अनुसार आगामी 72 घंटे में अधिकतम व न्यूनतम तापमान में और 2-3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार अगले पांच दिन राज्य के अनेक स्थानों पर 'हीटवेव' से 'तीव्र हीटवेव' व कहीं-कहीं उष्ण रात्रि का दौर जारी रहेगा। विभाग ने इसके लिए रेड अलर्ट जारी किया है।

सुप्रीम कोर्ट में चुनाव से संबंधित जनहित याचिकाओं पर 24 मई को सुनवाई

- चुनाव आयोग का हलफनामा के साथ जवाब पेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में चुनाव से संबंधित एडीआर और कई जनहित याचिकाओं की सुनवाई, 24 मई को सुप्रीम कोर्ट में होने जा रही है। उपरोक्त याचिकाओं की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यों की बेंच करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को 7 दिन के अंदर हलफनामा में जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए थे। चुनाव आयोग ने अपना जवाब सुप्रीम कोर्ट में दाखिल कर दिया है।

चुनाव आयोग ने अपने जवाब में कहा है। फॉर्म 17 सी की जानकारी एजेंट को दिए जाने का प्रावधान है। मतदान केंद्रो में यह जानकारी उम्मीदवारों के एजेंट को दी गई है। इस जानकारी को सार्वजनिक किए जाने का कोई कानून नहीं है। यदि जानकारी सार्वजनिक की गई, इससे मतदाताओं के बीच में भ्रम फैल सकता है।

चुनाव आयोग का जवाब पेश हो जाने के बाद इस मामले की विधिवत सुनवाई 24 मई से सुप्रीम कोर्ट में शुरू हो जाएगी। मुख्य न्यायाधीश ने याचिका स्वीकार करते समय कहा था, जरूरत पड़ने पर रात में भी वह याचिकाओं पर सुनवाई करेंगे। सुप्रीम कोर्ट में जब सुनवाई चल रही होगी। तब छठवें चरण का मतदान भी शुरू हो चुका होगा। उल्लेखनीय है, छठवें और सातवें चरण का मतदान ही शेष है। इसके बाद 4 जून को मतगणना होगी। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण और अन्य वरिष्ठ अधिवक्ता सुप्रीम कोर्ट मे जनहित याचिकाओं में पैरवी करेंगे। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में क्या निर्णय करेगी। इसको लेकर देशभर में कोतुहल बना हुआ है। कुछ दिनों पहले ही सुप्रीम कोर्ट मैं न्यायमूर्ति खन्ना की खंडपीठ ने चुनाव याचिकाओं को खारिज कर दिया था। उसके बाद से सोशल मीडिया और भाजपा को छोड़कर, सभी राजनीतिक दलों द्वारा आदर्श चुनाव आचार संहिता और मतदान के बाद मतदान की जानकारी समय पर उपलब्ध नहीं कराने पर लगातार चुनाव आयोग को कटघरे में खड़ा किया जा रहा है।

गुजरात एटीएस ने पोरबंदर से पाकिस्तानी जासूस को पकड़ा, आईएसआई को भेजता था भारत की खुफिया जानकारी

पोरबंदर . गुजरात एटीएस ने एक बार फिर आतंकियों की साजिश नाकाम करते हुए पाकिस्तान को दबोच लिया. एटीएस ने पोरबंदर से एक पाकिस्तानी जासूस को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार किया गया पाकिस्तानी जासूस भारत से जुड़ी संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान भेजता था. जांच में पता चला कि यह जासूस पाकिस्तान की एजेंसी आईएसआई के भी संपर्क में था. संभावना है कि गुजरात एटीएस इस मामले में और भी खुलासा कर सकती है. जानकारी के मुताबिक इस जासूस की जानकारी गुजरात एटीएस के पीआई पीयूष देसाई को मिली थी. यह जानकारी मिलते ही टीम ने जतिन चरणिया नाम के शख्स को गिरफ्तार कर लिया. जतिन पर पिछले कुछ समय से निगरानी रखी जा रही थी. जतिन खुद पाकिस्तान में मच्छीमारी का काम करता था. जासूस ने भारतीय तटरक्षक बल के वाहनों और जेटी के बारे में संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान भेजी थी। जतिन ने यह जानकारी सोशल मीडिया पर इंस्टाग्राम और वॉट्सएप के जरिए भेजी थी. जासूस ने अपने मोबाइल में ऐसा सेटिंग कर था कि 24 घंटों में चैट क्लियर हो जाए और वह पकड़ा ना जा सके. खुफिया जानकारी भेजने के लिए जतिन को 6 हजार रुपए मिले थे। इस जासूस को अवंतिका प्रिंस ने मोबाइल नंबर दिया था. हनी ट्रैप के बाद जतिन 4 महीने से उसके संपर्क में था और पिछले 15 दिनों से एटीएस उस पर नजर रखे हुए थी. गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही अहमदाबाद एयरपोर्ट से आईएसआईएस के चार आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है. गुजरात एटीएस को आतंकियों के बारे में जानकारी 2 हफ्ते पहले ही मिल गई थी. एटीएस को यह जानकारी भी मिली कि आतंकी फ्लाइट या ट्रेन के जरिए अहमदाबाद आएंगे। जिसके आधार पर एटीएस ने अहमदाबाद आने वाली सभी फ्लाइट और ट्रेनों की जांच की। आखिरकार एटीएस को जानकारी मिली कि ये आतंकी चेन्नई से फ्लाइट में आ रहे हैं. इसके बाद एटीएस अहमदाबाद एयरपोर्ट पर टारगेट लोकेशन का इंतजार कर रही थी और एयरपोर्ट पहुंचते ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया.

चारधाम यात्रा

नियमों का उल्लंघन करने वालों पर पुलिस ने कसा शिकंजा

चमोली।

बद्रीनाथ धाम में उत्तराखंड पुलिस ने 15 तीर्थयात्रियों पर कार्रवाई की है। नियमों का उल्लंघन और प्रतिबंधित स्थान पर मोबाइल से वीडियो बनाने और फोटो खींचने के मामले में इन पर एक्शन हुआ है। पुलिस ने इन सभी पर जुर्माना लगा दिया है। दरअसल, यह कार्रवाई मंदिर परिसर के 50 मीटर के दायरे में मोबाइल फोन के उपयोग करने पर है, के योंकि चारों धामों में मंदिर की 50 मीटर की रेंज में मोबाइल लाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इन तीर्थयात्रियों को यहां मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए पाया गया था। दरअसल, इन तीर्थयात्रियों को रील और वीडियो बनाने के लिए मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए पकड़ा गया था।

यह कार्रवाई मंदिर की पवित्रता बनाए रखने और तीर्थयात्रियों को ध्यान भंग करने से रोकने के लिए की गई है। बुधवार को प्रशासन की ओर ये कार्रवाई की गई। तीर्थयात्रियों पर 500 रुपये का जुर्माना लगाया गया था। पुलिस ने तीर्थयात्रियों को मंदिर परिसर में मोबाइल फोन के उपयोग के नियमों का पालन करने की चेतावनी भी दी। उल्ले लेखनीय है कि उत्तराखंड की प्रसिद्ध चारधाम यात्रा इन दिनों अपने चरम पर है। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी के अनुसार, इस वर्ष पिछले वर्ष की तुलना में दोगुनी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सभी श्रद्धालु सुगम दर्शन कर सकें, ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य कर दिया गया है। मुख्य सचिव के आदेश पर चारों धामों के मंदिर परिसर के 50 मीटर की परिधि में मोबाइल फोन का उपयोग प्रतिबंधित कर दिया गया है।

इसके अलावा, उत्तराखंड शासन ने देश के सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि वे अपने राज्यों के श्रद्धालुओं को सूचित करें कि बिना रजिस्ट्रेशन के किसी को भी चारधाम यात्रा की अनुमति नहीं दी जाएगी।

अयोध्या में बढ़ रही टूरिस्ट गाइड की मांग

अवध यूनिवर्सिटी ने शुरू किया कोर्स, मिलेगा रोजगार

अयोध्या।

प्रभु राम की नगरी अयोध्या धार्मिकता के साथ-साथ पर्यटन की दृष्टि से भी विश्व के मानचित्र पर स्थापित हो रही है।अवध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर प्रतिभा गोयल के मुताबिक प्रभु राम की नगरी अयोध्या में बड़ी संख्या में टूरिस्ट आ रहे हैं। अयोध्या की संस्कृति और पौराणिक विरासत के बारे में अयोध्या आने वाले भक्त और टूरिस्ट को जानकारी देने के लिए टूरिस्ट गाइड की भूमिका अहम मानी जाती है। ऐसी स्थिति में अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के साथ-साथ पर्यटन से जुड़े रोजगार की मांग भी काफी बढ़ गई है। ऐसे मांग को पूरा करने के लिए शर्ट टाइम सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्सेज की शुरुआत अवध विश्वविद्यालय में की गई है। जिसको लेकर यूनिवर्सिटी और अयोध्या नगर निगम के बीच एक एमयू भी हुआ है इतना ही नहीं नगर निगम पर्यटन के क्षेत्र में यूनिवर्सिटीज में प्रशिक्षित युवाओं को लाइसेंस भी देगा।

अयोध्या में स्थित प्रमुख और प्राचीन मठ मंदिरों की ऐतिहासिक एवं संपूर्ण धार्मिक जानकारी एकत्र कर उसका वीडियो बनाकर प्रशिक्षित गाइड की ट्रेनिंग अवध विश्वविद्यालय में दी जा रही है कोर्स में प्रवेश के लिए सबसे पहले आपको इंटर पास होना जरूरी होगा इसके बाद टूरिस्ट गाइड का कोर्स निशुल्क आप कर सकते हैं इस कोर्स में भी प्रशिक्षण की अवधि 3 महीने रखी गई है। अवध विश्वविद्यालय में अगर आप होटल मैनेजमेंट कोर्स में प्रवेश लेते हैं तो इसको लेकर आपके पास ग्रेजुएशन की योग्यता होनी चाहिए। कोर्स की अवधि 2 साल की है जिसकी सालाना फीस लगभग 26850 रुपए है। अयोध्या के पर्यटन विकास के मध्य नजर अवध विश्वविद्यालय में एमबीए टूरिज्म मैनेजमेंट का 2 साल का कोर्स संचालित है। विभाग के अध्यक्ष डॉक्टर महेंद्र सिंह के मुताबिक इस कोर्स में सत प्रतिशत प्लेसमेंट मिल रहा है। प्रभु राम की नगरी अयोध्या धार्मिकता के साथ-साथ पर्यटन की दृष्टि से भी विश्व के मानचित्र पर स्थापित हो रही है। बीते 22 जनवरी को जब से प्रभु राम अपने भव्य महल में विराजमान हुए हैं तब

से अयोध्या में प्रतिदिन लाखों की संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक आ रहे हैं। राम मंदिर के साथ ही प्रदेश की योगी सरकार ने अयोध्या को विश्व स्तरीय पर्यटन नगरी के रूप में विकसित करने की योजना भी बनाई है। इसी के साथ ही पर्यटन से जुड़े रोजगार भी विकसित करने का प्रयास किय जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

नंदीग्राम में भाजपा-टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प.....भाजपा महिला कार्यकर्ता की मौत

कोलकाता। लोकसभा चुनाव के छठें चरण के पहले पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई है, जिसमें बीजेपी की एक महिला कार्यकर्ता की मौत हुई है। इस झड़प में बीजेपी के 7 कार्यकर्ता घायल भी हुए हैं। घटना 22 मई की देर रात नंदीग्राम के सोनचूरा की है। यहां बीजेपी और टीएमसी कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। तणमूल कार्यकर्ताओं पर आरोप है कि उन्होंने धारदार हथियार से बीजेपी कार्यकर्ताओं पर जानलेवा हमला किया। झड़प में मृतक महिला बीजेपी कार्यकर्ता का नाम रथीबाला आड़ी बताया जा रहा है। यह पहली बार नहीं है, जब बंगाल के किसी इलाके में बीजेपी और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई है। इसके पहले भी इसतरह के कई मामले सामने आ चुके हैं, जिसमें तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के वर्कर्स के बीच हिंसा सामने आई है। हाल ही में 20 मई को बैरकपुर में बीजेपी उम्मीदवार अर्जुन सिंह और टीएमसी कार्यकर्ता के बीच झड़प हुई थी। पुलिसवालों की मौजूदगी के बीच ये कहासुनी हुई थी। उसके बाद से इलाके में तनाव फैल गया था।इसका फुटेज भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था।

बुद्ध पूर्णिमा पर पीएम मोदी ने दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली। पीएम नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में लिखा-बुद्ध पूर्णिमा की शुभकामनाएं। पिछले दशक में किया गया हमारा काम भगवान बुद्ध के आदर्शों को पूरा करने और एक समृद्ध और टिकाऊ धरती का निर्माण करने के लिए हमारी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भगवान बुद्ध की जयंती को बुद्ध पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है। यह बौद्ध समुदाय का एक प्रमुख उत्सव है, जिसे दुनियाभर के बौद्ध धर्मावलंबी धूमधाम और हर्षोल्लास से मनाते हैं।

उत्तर प्रदेश,पंजाब, हिमाचल की महिलाओं के पास सबसे ज्यादा हथियार

नई दिल्ली । भारत में महिलाओं में भी हथियार रखने की होड़ देखने को मिल रही है। सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में 20016 महिलाओं के पास लाइसेंसी हथियार हैं। उसके बाद पंजाब का नंबर आता है। यहां पर 4703 महिलाओं के पास हथियार के लाइसेंस है। मध्य प्रदेश में 4190 हरियाणा में 1404 हिमाचल में 1700 दिल्ली में 854 और चंडीगढ़ में 444 महिलाओं के पास लाइसेंस हथियार है। आबादी के हिसाब से सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश, पंजाब और हिमाचल की महिलाओं के पास लाइसेंसी हथियार है। महिलाओं मे सुरक्षा के लिए छोटे हथियार रखने का प्रचलन है। 90 फीसदी महिलाएं अपने पास पिस्टल रखना पसंद करती हैं।

यूपी में पुलिस मुठभेड़ में एक इनामी बदमाश गिरफ्तार

गाजियाबाद । गाजियाबाद के थाना लोनी बॉर्डर इलाके में गुरुवार तड़के पुलिस के साथ मुठभेड़ में एक बदमाश को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया। उसका दूसरा साथी फरार हो गया है जिसकी तलाश में कांबिंग की जा रही है। पु लिस अे धिकारी ने बताया कि गिरफ्तार बदमाश, जिसकी पहचान गौरव के रूप में हुई है, विक्रम मावी हत्याकांड में फरार चल रहा था। उसके ऊपर पुलिस ने इनाम भी घोषित कर रखा था। अभियुक्त के कब्जे से एक अवैध तमंचा, जिंदा और खोखा कारतूस, हत्या की घटना में इस्तेमाल एक चाकू तथा चोरी की एक मोटरसाइकिल बरामद हुई है। बंथला नहर के पास गुरुवार तड़के थाना लोनी बॉर्डर पुलिस और स्वाट टीम दोनों ही चेकिंग कर रही थीं। इसी दौरान एक बाइक पर सवार दो लोगों को आते हुए देखा गया। संदिग्ध होने पर उन्हें रुकने का इशारा किया गया, लेकिन वे भागने लगे। बाइक पर पीछे बैठे व्यक्ति ने पुलिस पर फायरिंग भी कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बाइक पर पीछे बैठा व्यक्ति गोली लगने से घायल हो गया जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसका दूसरा साथी फरार हो गया है। पु लिस अे धिकारी ने बताया कि पकड़े गए आरोपी के पास से एक 315 बोर का तमंचा, एक जिंदा और एक खोखा कारतूस और एक खून लगा चाकू बरामद हुआ है। गौरव पर 25 हजार रुपये का इनाम पुलिस ने घोषित किया था। उसके फरार साथी का नाम हेमंत बताया गया है और उस पर भी 50 हजार रुपये का इनाम घोषित है।

अग्निपथ योजना में बदलाव की तैयारी.....सेना कर रही आंतरिक सर्वे

नई दिल्ली ।

भारतीय सैन्य सेवाओं में भर्ती की नई व्यवस्था अग्निपथ योजना में बदलाव की सुगबुगाहट हैं। हालांकि, सरकार या सेना की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है।

लेकिन खबरें हैं कि सेना एक आंतरिक सर्वे करावा रही है, जिसमें अग्निवीरों से जुड़े सवाल पूछे जा रहे हैं। इसका मकसद भर्ती प्रक्रिया पर योजना के असर को जानना है। संभावनाएं हैं कि सर्वे महीने के अंत तक खत्म हो सकता है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, सेना एक आंतरिक सर्वे करा रही है, जिससे मिलने वाली जानकारी के आधार पर आने वाली नई सरकार के सामने योजना में कुछ बदलाव की सिफारिशें हो सकती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों का कहना है कि सेना के सर्वे में अग्निवीरों, भर्ती और ट्रेनिंग स्टाफ सहित सभी हितधारकों से कुछ जानकारियां मांगी गई हैं।

सेना अधिकारियों ने कहा कि हर समूह के जवाबों को इस महीने के अंत तक जुटाया जाएगा। इसके बाद आंकलन कर अगली प्रक्रिया शुरू होगी। अधिकारियों का कहना है कि करीब 10 सवाल तैयार किए गए हैं, जो सर्वे में शामिल लोगों से पूछे जा रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, भर्ती करने की प्रक्रिया में शामिल लोगों को बताना होगा कि अग्निवीर सेना में क्यों शामिल हो। साथ ही यह जानकारी भी देनी होगी कि वे सेना का हिस्सा बनने के लिए कितने उत्साहित हैं। इसके अलावा उन्हें आवेदक कैसे हैं, शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के आवेदक ऑनलाइन एंट्रेस एग्जाम को लेकर किस तरह की प्रक्रियाएं दे रहे हैं, जैसी जानकारियां भी देनी होंगी। खास बात है कि रिक्रूटमेंट में शामिल लोगों को बताना होगा कि योजना के लागू होने के बाद सेना में भर्ती पर कुल क्या असर पड़ा है। इससे जुड़े कुछ सवाल पूछे जाएंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, यूनिट और सब यूनिट कमांडरों को अग्निवीरों और योजना से पहले आए सैनिकों के प्रदर्शन पर भी फीडबैक देना होगा। साथ ही बताना होगा कि उन्होंने अग्निवीरों में कौन सी सकारात्मक या नकारात्मक बातों को देखा है। खबर है कि इन जानकारियों के आधार पर सेना योजना में कुछ बदलावों की सिफारिश कर सकती है।

सीएम ममता को संविधान का अनादर नहीं करना चाहिए : नड्डा

-ओबीसी प्रमाणपत्र रद्द मामला

नई दिल्ली।

पश्चिम बंगाल में कई वर्गों का ओबीसी दर्जा समाप्त करने के कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले को मानने से इनकार करने पर बंगाल की सीएम ममता बनर्जी की आलोचना करते हुए बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि सीएम ममता को संविधान का अनादर नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यकों का तुष्टीकरण और भ्रष्टाचार ममता के नेतृत्व वाली तृणमूल सरकार की विशेषताएं हैं। युवा शाखा के सदस्यों की एक सभा में नड्डा ने कहा कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होना चाहिए। आरक्षण केवल आर्थिक स्थिति के आधार पर होना चाहिए। पीएम नरेन्द्र मोदी ने इस पर काफी से जोर दिया है। ओबीसी आरक्षण की आड़ में ममता ने मुस्लिम आरक्षण लागू कर दिया था। कलकत्ता हाईकोर्ट ने धर्म के आधार पर राज्य द्वारा जारी किए गए ओबीसी प्रमाणपत्रों को रद्द कर दिया है। नड्डा ने ममता बनर्जी द्वारा हाईकोर्ट के आदेश का पालन करने से इनकार किए जाने पर उनकी आलोचना की उन्होंने कहा कि संवैधानिक सिद्धांतों के प्रति सीएम

ममता की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाया और उन पर मुस्लिम लीग के एजेंडे को आगे बढ़ाने का भी आरोप लगाया। बीजेपी अध्यक्ष ने कहा कि अब ममता कहती हैं कि वह हाईकोर्ट के आदेश को नहीं मानेंगी। बंगाल की कैसी सीएम हैं, जिनकी नजर में संविधान का कोई सम्मान नहीं है। क्या वह हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ जा सकती हैं? नड्डा ने कहा मेरी बात कड़वी लग सकती है, लेकिन मैं कहता हूं कि ममता बनर्जी मुस्लिम लीग के एजेंडे को चल रही हैं।

बिहार की 8 सीटों पर आज थमेगा चुनाव प्रचार

सात पर है सीधा मुकाबला

पटना।

बिहार में लोकसभा चुनाव के छठे चरण में आठ लोकसभा सीटों पर चुनाव प्रचार का शोर गुरुवार शाम 6 बजे थम जाएगा। इसके बाद प्रत्याशी सिर्फ घर-घर जाकर वोट मांग सकेंगे। बिहार में छठे चरण की आठों सीटों पर कुल 86 उम्मीदवार मैदान में हैं। इसमें कई दिग्गज नेताओं के भाग्य का फैसला होगा। वाल्मीकिनगर में जेडीयू के सुनील कुशवाहा और आरजेडी के दीपक यादव के बीच सीधी फाइट है। पूर्वी चंपारण में बीजेपी के राधा मोहन सिंह और वीआईपी से राजेश कुमार के बीच मुकाबला है। पश्चिम चंपारण में संजय जायसवाल बीजेपी के खिलाफ फिर से मैदान में हैं, उनके खिलाफ कांग्रेस ने मदन मोहन तिवारी को उतारा है। इस चरण के लिए मतदान 25 मई को होगा। छठे चरण में वाल्मीकिनगर, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर, वैशाली, गोपालगंज, सीवान और महाराजगंज में चुनाव होना है। सीवान में त्रिकोणीय मुकाबला होने के आसार हैं। वहीं, अन्य सात सीटों पर एनडीए और इंडिया गठबंधन यानी महागठबंधन में आमने-सामने का मुकाबला है। शिवहर में पूर्व सांसद आनंद मोहन की पत्नी लवली आनंद जेडीयू के टिकट पर चुनावी मैदान में हैं, उनका मुकाबला आरजेडी की रितु जायसवाल से होगा। वैशाली से मौजूदा सांसद वीणा देवी लोजपा रामविलास के टिकट पर चुनाव लड़ रही हैं, आरजेडी ने उनके खिलाफ विजय शुक्ला उर्फ मुन्ना शुक्ला को उतारा है। गोपालगंज में जेडीयू के आलोक सुमन और वीआईपी के चंचल पासवान के बीच लड़ाई है।

महाराजगंज में बीजेपी के जनार्दन सिग्रीवाल और कांग्रेस के आकाश सिंह के बीच मुकाबला है। सीवान लोकसभा सीट पर जेडीयू ने मौजूदा सांसद कविता सिंह का टिकट काटकर विजयलक्ष्मी कुशवाहा को प्रत्याशी बनाया है। वहीं, आरजेडी ने पूर्व विधानसभा स्पीकर अवध बिहारी चौधरी को मैदान में उतारा है। पूर्व सांसद शहाबुद्दीन की पत्नी हेना शहाब निर्दलीय चुनाव लड़ रही हैं।

4 जून को लोकसभा के साथ बिहार विधानसभा चुनाव का भविष्य भी होगा तय

नतीजे तय करेंगे बिहार का सियासी मिजाज

पटना ।

2024 का लोकसभा चुनाव देश के लिए जितना जरुरी है, उससे कम बिहार के लिए भी नहीं है। बिहार विधानसभा के अगले साल होने वाले चुनाव की कहानी लोकसभा चुनाव में ही लिखी जाएगी। कई नेताओं और राजनीतिक पार्टियों की पोल पट्टी खुलेगी ही, अगले साल के लिए नए सियासी समीकरण की जमीन भी 4 जून को तैयार होगी। राष्ट्रीय स्तर पर भी यह आकलन होगा कि मोदी मैजिक बरकरार है, या बेअसर हो गया है। अगर मोदी मैजिक फेल हो जाता है, तब ऐसी स्थिति में विपक्ष में सत्ता संग्राम छिड़ना पक्का है। यह आशंका इसकारण है कि विपक्षी गठबंधन में शामिल हर दल के अपने-अपने पीएम चेहरे हैं।

सबसे बड़ी और पुरानी पार्टी कांग्रेस का प्रदर्शन भी मायने रखेगा। कांग्रेस 52 का अपना पिछला रिकॉर्ड तोड़ कर आगे निकलती है या पीछे रह जाती है, यह देखना दिलचस्प होगा। कांग्रेस को चुनाव में सफलता मिले या उसकी दुर्गति हो, पर श्रेय के असल हकदार राहुल गांधी ही है। कांग्रेस को भी चुनाव में पता चल जाएगा कि राहुल पर अब भी दांव लगाने की गुंजाइश बची है या संगठन में आमूलचूल परिवर्तन की जरूरत है। खैर, यह महज काल्पनिक बातें हैं।

वहीं नीतीश कुमार के लिए लोकसभा का चुनाव राजनीतिक अस्तित्व बचाने का बन गया है। तमाम अच्छे कामों के बावजूद अब वे लोगों के बीच तेजी से अलोकप्रिय हो रहे हैं। इसकी बानगी 2020 के विधानसभा चुनाव में मिल चुकी है। उनकी पार्टी जेडीयू को 43 सीटों पर सिमटना पड़ा था। वैसे नीतीश ने बिहार का जिस तरह काया पलट किया है, वह उनका सकारात्मक पक्ष है, पर बार-बार के पाला बदल ने उन्हें काफी डेंट किया है। बिहार में अगर एनडीए को नुकसान होता है, तब इसकी एकमात्र वजह नीतीश बाबू ही है। पाला बदल के कारण बढ़ती अलोकप्रियता के कारण वे किसी भी गठबंधन के लिए अब बोझ बन गए हैं।

फिर कोरोना की आहटः नए वेरिएंट के मिले 324 केस, जानकार बोले- डरने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली ।

देश में एक बार फिर कोरोना की आहट आ रही है। जिस वेरिएंट ने सिंगापुर में तबाही मचाई थी अब उसी वेरिएंट के 324 केस भारत में मिले हैं। इंसाकोग के सूत्रों की ओर से गई जानकारी के मुताबिक भारत में केपी.2 और केपी.1 वेरिएंट के कुल 324 केस मिले हैं। ये दोनों ही वेरिएंट जेएन.1 वेरिएंट के उप वेरिएंट हैं। कोरोना के म्यूटेशन को लेकर लगातार की जा रही निगरानी के बाद यह आंकड़ा सामने आया है। दोनों ही म्यूटेंट की वजह से बीमारी की गंभीरता बढ़ी नहीं है। ये देखा गया है कि जेएन.1 में दोनों म्यूटेशन इसके स्पाइक प्रोटीन में हुए हैं, जिसका नाम फिलिरिट रखा है। ओमिक्रोन और जेएन.1 से भी कम खतरा देखा गया था और अब इसके बच्चे केपी के दोनों वेरिएंट्स की भी क्षमता संक्रमण तीव्र करने की तो है लेकिन गंभीरता नहीं है। 'इस समय जो बड़ी बात दिख रही है, वह ये कि कोरोना वायरस ऐसा रास्ता पकड़ रहा है, जिसमें संक्रमण तो बढ़ रहा है लेकिन खतरा कम हो रहा है। अगर यही रहा तो संभव है कि कुछ महीने के बाद कोरोना को लेकर बहुत ज़े यादा बातचीत भी न हो। कोरोना एक तरह से कन्वर्जेंट इवॉल्यूशन के फेज में है। जो खुद को फैला तो रहा है लेकिन उसकी प्रभावित करने की तीव्रता कम हो रही है। ऐसे में मुझे लगता है कि लोगों को 100 प्रतिशत घबराने की जरूरत नहीं है.. मुझे लगता है कि ये वेरिएंट भी डेढ़ दो महीने में खत्म हो जाएंगे। पूर्व डॉ. सीजी पंडित नेशनल चेयर एंड हेड, एपिडेमियोलॉजी एंड कम्यूनिकेबल डिजीज आईसीएमआर डॉ आर आर गंगाखेड़कर बताते हैं कि कोरोना के नए वेरिएंट के संक्रमित सामने आने के दो पहलू हैं। एक नेगेटिव और दूसरा पॉजिटिव। नेगेटिव साइड ये है कि कोरोना वायरस अभी भी है। इससे कोमोरबिड और एल्डरली दोनों को खतरा है। खेड़कर कहते हैं, 'जेएन.1 के सब वेरिएंट केपी.1 और केपी.2 के केस मिले हैं लेकिन इनमें कोई भी सीवियर नहीं है। यहां तक कि किसी को भी अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत नहीं पड़ी लेकिन हमें ये मालूम नहीं चला है कि कि केपी.2 के बाद के या लांग कोविड हो सकता है? अगर लांग कोविड होता है तो क्या एल्डरली में यह ज्यादा दिखेगा या असर करेगा? इसलिए इससे थोड़ा सा सावधान रहने की भी जरूरत है।'

कलकत्ता हाईकोर्ट ने पांच लाख ओबीसी प्रमाण पत्रों को किया रद्द

-नए प्रमाणपत्र के आधार पर जो नौकरी दी, इस निर्देश पर नहीं होगा उन पर असर

कोलकाता।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने ममता सरकार को शिक्षक भर्ती मामले के बाद एक और झटका दिया है। हाईकोर्ट ने 2010 से अब तक जारी करीब पांच लाख ओबीसी प्रमाण पत्रों को रद्द कर दिया है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) ने लगाई गई याचिका पर हाईकोर्ट ने यह निर्णय दिया है। याचिका में मांग की गई थी कि 2010 तक जो जाति ओबीसी की श्रेणी में थीं, उन्हीं को आरक्षण मिलना चाहिए। कलकत्ता हाईकोर्ट की तरफ से 2010 के बाद जारी सभी ओबीसी प्रमाणपत्र रद्द करने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने यह भी साफ किया कि 2010 से अब तक नए प्रमाणपत्र के आधार पर जो भी नौकरियां दी गई हैं, उन्हें रद्द नहीं किया जाएगा। हाईकोर्ट पहले ही बंगाल में 25,000 शिक्षकों की भर्ती को रद्द कर चुका है।

हाईकोर्ट ने फैसले में विशेष रूप से तृणमूल सरकार का जिक्र नहीं किया है। हाईकोर्ट ने कहा कि 2010 के बाद जारी सभी ओबीसी प्रमाणपत्र रद्द कर दिए जाएंगे। टीएमसी 2011 से राज्य में सत्ता में आई है। कोर्ट का कहना है कि 2010 के बाद जितने भी ओबीसी प्रमाणपत्र बनाए गए हैं, वे कानून के हिसात से ठीक नहीं हैं। इसलिए उन सभी प्रमाणपत्रों को रद्द किया जाना चाहिए। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने कहा कि इस निर्देश का उन लोगों पर असर नहीं होगा जो पहले ही इस प्रमाणपत्र के जरिए नौकरी हासिल कर चुके हैं या नौकरी पाने की प्रक्रिया में शामिल हैं। अन्य लोग अब उस प्रमाणपत्र का उपयोग रोजगार पाने की प्रक्रिया में नहीं कर सकेंगे।

कलकत्ता हाईकोर्ट के न्यायाधीश तपोब्रत चक्रवर्ती और न्यायाधीश राजशेखर मंथा की युगल पीठ ने कहा कि इसके बाद राज्य की विधानसभा को यह तय करना है कि ओबीसी कौन होगा। पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग को ओबीसी की सूची निर्धारित करनी है। सूची में जिनके नाम विधानसभा द्वारा अपूर्व किए जाएंगे, उन्हें ही भविष्य में ओबीसी माना जाएगा।

बता दे यह मामला 2012 में दायर किया गया था। याचिका में कहा कि वाम मोर्चा सरकार ने 2010 में एक अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर पश्चिम बंगाल में एक अन्य पिछड़ा वर्ग बनाया था। उस कैटेगरी को 'ओबीसी-ए' नाम दिया गया है। 2011 में टीएमसी सत्ता में आई। नई सरकार उस वर्ग पर अंतिम रिपोर्ट के बिना एक सूची बनाई और कानून बनाया, जिसके आधार पर टीएमसी सरकार के खिलाफ याचिका दर्ज की गई। 2012 के मामले में, वादियों ने कानून को तुरंत रद्द करने के लिए अदालत में याचिका दायर की। याचिका में तर्क दिया गया कि टीएमसी सरकार का फैसला पश्चिम बंगाल पिछड़ा कल्याण आयोग अधिनियम 1993 के खिलाफ है। परिणामस्वरूप वास्तविक पिछड़े वर्ग के लोग सरकारी अवसरों से वंचित रह जाते हैं. इसलिए सरकार को उस कानून के मुताबिक प्रमाणपत्र देना चाहिए।

पीके के बाद अब अमेरिका के जानकार का आया अनुमान कहा- भाजपा की सीटें होंगी 3 सौ के पार

नई दिल्ली ।

लोकसभा चुनाव कुल सात चरणों में हो रहा है। इसमें पांच चरण पूरे हो गए हैं और दो चरण शेष है। छठवां 25 मई और सातवां चरण 1 जून को पूरा होगा। मतदान पूरा हो इससे पहले ही जानकार सीटों का अनुमान लगाने लगे हैं। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर यानी पीके के अनुमान के बाद अब अमेरिका के एक जानकार का अनुमान सामने आया है। उन्होंने भाजपा को बीते 2019 से अधिक सीटें दी हैं। ऐसे में लगता है कि इस बार एनडीए का 400 पार का नारा काफी हद तक सही साबित हो जाएगा। इस पॉलिटिकल साइंटिस्ट और चुनाव विशेषज्ञ का नाम इयॉन ब्रेमर है। उन्होंने बातचीत में यह दावा किया है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 305 (प्लस/माइनस 10) सीटें मिलेंगी। यानी भाजपा को अधिकतम 315 और न्यूनमता 295 सीटें मिल सकती हैं। इयॉन ब्रेमर यूरेशिया ग्रुप के संस्थापक हैं।

भारत के चुनाव के बारे में उनके अनुमान को लेकर पूछे गए एक सवाल पर उन्होंने कहा कि यूरेशिय रिसर्च ग्रुप का अनुमान है कि भाजपा 295 से 315 के बीच सीटें जीत सकती है। अगर ऐसा होता है तो यह भाजपा की अब तक की सबसे बड़ी जीत होगी। 2014 के लोकसभाच चुनाव में भाजपा को 282 और 2019 में 303 सीटें मिली थीं। इससे एक दिन पहले जानेमाने चुवानी रणनीतिकार और जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने एडीटीवी को ही दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा शानदार प्रदर्शन करने जा रही है। वह बीते 2019 के चुनाव जितनी सीटें या उससे अधिक जीत सकती है। यानी उनका स्पष्ट कहना था कि इस बार भी भाजपा की सीटें 300 के पार रहने वाली है। उन्होंने भारत के आम चुनाव के बारे में कहा कि वैश्विक नजरिये से देखें तो केवल भारत का आम चुनाव पूरी तरह स्टैबल दिख है। वरना हर चीज यहां तक कि इस साल नवंबर में अमेरिका में होने वाला चुनाव भी समस्याओं से भरा हुआ दिख रहा है।

मैक्रों ने दंगा प्रभावित न्यू कैलेडोनिया का दौरा किया

सिडनी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों हाल ही में हुए घातक दंगों से प्रभावित प्रशांत द्वीपसमूह में जल्द से जल्द शांति और सुरक्षा कायम करने की उम्मीद में गुरुवार को न्यू कैलेडोनिया पहुंचे। श्री मैक्रों ने कहा कि मेरी इच्छा, मंत्रियों और पूरी सरकार के साथ, लोगों के साथ खड़े होने की है, जिससे हम जल्द से जल्द शांति, स्थिरता और सुरक्षा में लौट सकें। यह सर्वोच्च प्राथमिकता है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने माना कि कई लोग एक बड़े संकट से पीड़ित हैं, क्योंकि कुछ बीमार हैं और अन्य को भोजन में बड़ी कठिनाई है। उन्होंने कहा कि हम आर्थिक पुनर्निर्माण, समर्थन और त्वरित प्रतिक्रिया के सवालों और सबसे नाजुक राजनीतिक सवालों पर चर्चा करेंगे, क्योंकि हम न्यू कैलेडोनिया के भविष्य के बारे में सोचते हैं। उम्मीद है कि मैक्रों वहां लगभग 12 घंटे बिताएंगे और संकट से निपटने के लिए एक कार्यबल गठित करने का अनुमान है।

कोलंबिया ने रामल्लाह में दूतावास खोलने का फैसला लिया

तेलअवीव । गाजा में हमास से जंग लड़ रहे इजरायल को कूटनीतिक मोर्चे पर दूसरा बड़ा झटका लगा है। कोलंबिया ने फिलिस्तीन के शहर रामल्लाह में अपना दूतावास खोलने का फैसला लिया है। कोलंबिया के राष्ट्रपति पहले ही गाजा में इजरायल के एक्शन को नरसंहार बताकर बंद करने की अपील कर चुके है। कोलंबिया के विदेश मंत्री लुइस मुरिल्लो ने कहा कि राष्ट्रपति गुस्तावो पेत्रो ने आदेश दिया है कि रामल्लाह में दूतावास खोला जाए। उन्होंने कहा कि हम वेस्ट बैंक के शहर रामल्लाह में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। गुस्तावो कई मौकों पर इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की आलोचना कर चुके हैं। उन्हें नेतन्याहू के आलोचकों में गिना जाता है। कोलंबिया का यह ऐलान तीन देशों के फैसले के ठीक बाद आया है, जिसमें फिलिस्तीन को मान्यता देने का ऐलान किया गया है। स्पेन, आयरलैंड और नॉर्वे का कहना है कि वे फिलिस्तीन को मान्यता देंगे। नॉर्वे का कहना है कि 28 मई को कैबिनेट की मीटिंग होगी, जिसमें फिलिस्तीन को मान्यता देने का प्रस्ताव पास किया जाएगा। इस तरह इजरायल को गाजा में चल रहे युद्ध के बीच दो दिन के अंदर ही दूसरा झटका लगा है। अब तक दुनिया के कुल 142 देश हैं, जो फिलिस्तीन को मान्यता दे चुके हैं।

ग्रेफाइट की खदानें हासिल करने श्रीलंका से बात कर रहा भारत

कोलंबो । भारत, श्रीलंका में ग्रेफाइट की खदानें हासिल करने के लिए उसके साथ चर्चा कर रहा है। सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। ग्रेफाइट लिथियम-ऑयन और अन्य बैटरियों में एनोड के लिए इस्तेमाल होने वाली सबसे आम सामग्री है। इस वजह से ग्रेफाइट की मांग लगातार बढ़ रही है। सूत्रों ने कहा कि भारत सरकार ने श्रीलंका में ग्रेफाइट खदानें हासिल करने के संबंध में चर्चा की। श्रीलंका में पाया जाने वाला ग्रेफाइट बहुत अच्छी गुणवत्ता का होता है। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि बातचीत अभी शुरुआती चरण में है। ग्रेफाइट को मोदी सरकार ने पिछले साल 30 महत्वपूर्ण खनिजों की सूची में शामिल किया था। सरकार ने हाल ही में कहा था कि सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया, एनएमडीसी और ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) विदेशों में महत्वपूर्ण खनिज संपत्तियों की सक्रिय रूप से तलाश करेंगी। इन सार्वजनिक उद्यमों की विदेशों में पहले से ही किसी न किसी प्रकार की मौजूदगी है। विदेशों में खनिज संपत्तियों की खोज के लिए 'खनिज विदेश इंडिया लिमिटेड' (काबिल) का भी गठन किया गया जो सार्वजनिक क्षेत्र के तीन उद्यमों का एक संयुक्त उद्यम है। तांबा, लिथियम, निकल और कोबाल्ट जैसे महत्वपूर्ण खनिज तेजी से बढ़ती स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के महत्वपूर्ण घटक हैं। पवन चक्की और बिजली नेटवर्क से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों तक में इनका इस्तेमाल होता है।

ब्रिटेन में चार जुलाई को होंगे आम चुनाव, पीएम ने किया ऐलान

लंदन। ब्रिटेन में चार जुलाई देश में आम चुनाव कराए जाएंगे। यह घोषणा ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक ने बुधवार को की। इस घोषणा के साथ ही चुनाव की तारीखों को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया है। लंदन में बारिश के बीच भारतीय मूल के पहले पीएम सुनक ने छह सप्ताह में मतदान कराए जाने की बात कही है। पीएम चुनाव की तारीख की जानकारी औपचारिक रूप से महाराज चार्ल्स को देंगे और उसके बाद संसद जल्द ही भंग कर दी जाएगी। सुनक ने ब्रिटिश मतदाताओं के सामने अपने कार्यकाल का ब्यौरा पेश किया। उन्होंने कहा कि मैं अपनी शक्ति के मुताबिक आपको मजबूत सुरक्षा प्रदान करने के लिए सब कुछ करूंगा। यह मेरा आपसे वादा है...अब समय आ गया है कि ब्रिटेन अपना भविष्य चुने।

चीन में पांच मंजिला बिल्डिंग में विस्फोट, एक की मौत, तीन घायल

हार्बिन। उत्तर-पूर्वी चीन के हार्बिन शहर में गुरुवार सुबह एक बिल्डिंग में विस्फोट हो गया इसमें एक महिला की मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रुप से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया से मिली जानकारी के मुताबिक हार्बिन चीन के उत्तर-पूर्वी प्रांत हेइलोंगजियांग की राजधानी है। यहां पांच मंजिला बिल्डिंग में विस्फोट हो गया जिससे बिल्डिंग का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और एक मकान की बालकनी पूरी तरह नष्ट हो गई। अधिकारियों ने मीडिया को बताया कि यह विस्फोट एक नेचुरल गैस टैंक से होने की आशंका है। विस्फोट से एक महिला की मौत हो गई वहीं तीन लोग घायल हो गए। इस हादसे का एक वीडियो सामने आया इसमें एक व्यक्ति को एंबुलेंस से ले जाते हुए देखा जा सकता है, वहीं सड़कों पर मलबे का ढेर लग गया है। विस्फोट सुबह करीब सात बजे हुआ। बिल्डिंग के मलबे को हटाने का कार्य शुरु कर दिया गया है। स्थानीय पुलिस विस्फोट की जांच में जुट गई है।

पूर्व राजदूत निक्की हेली राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप को देंगी वोट

कोलंबिया। अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में निक्की हेली राष्टपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को वोट देंगी। यह बात संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की हेली ने वाशिंगटन में एक कार्यक्रम के दौरान कही। हेली ने कहा कि उन्होंने जो पहले कहा था वह उस बात पर कायम हैं। उन्होंने कहा उन्हें लगता है कि डोनाल्ड ट्रंप उन लाखों लोगों तक पहुंचेंगे जिन्होंने उनको (हेली) को वोट दिया और उनका समर्थन करना जारी रखा। हेली रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के चुनाव की दौड़ में शामिल थीं लेकिन उन्हें प्रायमरी चुनावों में सफलता नहीं मिली थी। हेली ने चुनाव अभियान के दौरान अपने प्रतिद्वंद्वी रहे डोनाल्ड ट्रंप की महीनों तक कड़ी आलोचना की थी लेकिन अब उन्होंने ट्रंप को समर्थन देने का फैसला किया है। ट्रंप के प्रचार अभियान दल ने हेली की घोषणा पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

इजरायली महिला सैनिकों के अपहरण का वीडियो जारी किया गया

तेल अवीव। हमास द्वारा 7 अक्टूबर को किए गए नरसंहार के दौरान पांच इजरायली महिला सैनिकों के अपहरण का वीडियो फुटेज जारी किया गया है। युवा महिलाओं के माता-पिता इस उम्मीद में वीडियो जारी करने पर सहमत हुए कि भयावह छवियां इजरायल और फिलिस्तीनी इस्लामवादी हमास आंदोलन के बीच एक समझौते में उनकी बेटियों और अन्य बंधकों की रिहाई में योगदान दे सकती हैं। वीडियो में खून से लथपथ घायल युवतियों को भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों के साथ देखा जा सकता है। ये युवतियां गाजा पट्टी सीमा क्षेत्र में सेना पर्यवेक्षकों के रूप में ड्यूटी पर थीं। वे डरी हुई हैं और उनके हाथ उनकी पीठ के पीछे बंधे हुए हैं। वीडियो में अपहरणकर्ता उन पर चिल्ला रहे हैं और उन्हें धमका रहे हैं। महिलाओं को पहले एक कमरे में रखा जाता है और फिर एक वाहन में ले जाया जाता है, जहां वे फर्श पर एक साथ लेट जाती हैं। बंधक परिवार फोरम ने एक बयान में कहा कि यह वीडियो बंधकों को घर लाने में देश की विफलता का एक गंभीर प्रमाण है। इन्हें 229 दिनों बाद छोड़ा गया। बयान में कहा गया है ?कि फुटेज से पता चलता है कि अपहरण के दिन लड़कियों ने किस तरह का हिंसक, अपमानजनक और दर्दनाक व्यवहार सहा था, उनकी आंखें खौफ से भरी हुई थीं। वीडियो तीन मिनट से अधिक लंबा है। यह आतंकवादियों द्वारा लिए गए बॉडीकैम फुटेज का संकलन है।

ताइवान में एयरफोर्स का विमान मिराज 2000 ई हिशिनू एयरबेस पहुंचा।

रिएक्टर बनाने में मदद को तैयार रूस, परमाणु एजेंसी प्रमुख ने किया बड़ा दावा

मास्को। परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग में सहयोग बढ़ाने के प्रयासों के तहत रूस कुडनकुलम में परमाणु ऊर्जा परियोजना के अलावा, एक नई साइट पर उच्च क्षमता वाली परमाणु ऊर्जा इकाइयों के निर्माण में भारत की मदद करने के लिए तैयार है। रोसाटॉम राज्य परमाणु ऊर्जा निगम के महानिदेशक एलेक्सी लिकचेव ने रूस के सेवरस्क में परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष अजीत कुमार मोहंती के साथ एक बैठक के दौरान यह पेशकश की। जब मोहंती ने प्रोरीव या ब्रेकथ्रू परियोजना का दौरा किया, तो दोनों अधिकारियों ने बातचीत की, जिसका उद्देश्य एक बंद परमाणु ईंधन चक्र के साथ एक नया बिजली संयंत्र बनाना है। रोसाटॉम द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, लिकचेव ने कहा कि हम शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए परमाणु ऊर्जा के उपयोग के क्षेत्र में भारत के साथ सहयोग के गंभीर विस्तार के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि इसमें भारत में एक नई साइट पर रूसी-डिजाइन की गई उच्च क्षमता वाली परमाणु ऊर्जा इकाइयों का क्रमिक निर्माण शामिल है। लिकचेव ने कहा कि रूसी पक्ष भूमि-आधारित और अस्थायी कम-बिजली उत्पादन परियोजनाओं के कार्यान्वयन और परमाणु ईंधन चक्र और परमाणु प्रौद्योगिकियों के गैर-ऊर्जा अनुप्रयोगों में सहयोग के लिए भी खुला है। रूस वर्तमान में तमिलनाडु में कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा परियोजना के निर्माण में भारत की सहायता कर रहा है, जिसमें 1,000 मेगावाट के छह हल्के-जल परमाणु रिएक्टर होंगे। परियोजना पर काम 2002 में शुरू हुआ और पहले रिएक्टर का वाणिज्यिक परिचालन 2014 में शुरू हुआ, उसके बाद 2016 में दूसरे का। दो और रिएक्टरों पर काम चल रहा है।

ताइवान के नए राष्ट्रपति की धमकी से बौखलाया ड्रैगन... चारों ओर से घेरकर शुरु की मिलिट्री ड्रिल

बीजिंग (एजेंसी)। दुनिया में एक और युद्ध की तस्वीर बनने लगी है। दरअसल चीन और ताइवान एक बार फिर आमने-सामने आ गए हैं। दोनों में तनातनी सातवें आसमान पर है। ताइवान को नया राष्ट्रपति मिले अभी चार दिन भी नहीं हुए कि चीन बौखला गया है। चीन ने प्रलयंकारी हथियारों से ताइवान के दरवाजे पर दस्तक दे दी है। ताइवान को चारों ओर से घेरकर ड्रैगन ने खतरनाक मिलिट्री ड्रिल शुरू कर दी है। उधर ताइवान भी चीन को करारा जवाब देने को तैयार है। ताइवान ने भी अपनी आर्मी को रवाना कर दिया है। चीन की बौखलाहट इसकारण है, क्योंकि ताइवान को लाई चिंग-ते के रूप में नया राष्ट्रपति मिला है। जिसने शपथ लेते ही चीन को हड़का दिया था। लाई चिंग-ते चीन के कट्टर विरोधी माने जाते हैं।

दरअसल, चीन ने गुरुवार को ताइवान आइलैंड के चारों ओर एक बड़ा सैन्य अभ्यास शुरू कर दिया। ताइवान के चारों ओर इस सैन्य एक्शन को चीन ने इसे पनिशमेंट ड्रिल नाम दिया है। चीन के इस मिलिट्री ड्रिल यानी सैन्य अभ्यास में आर्मी, नेवी, एयर फोर्स और रॉकेट फोर्स सब शामिल है।

चीन ने ड्रिल में मिसाइल से लेकर खतरनाक लड़ाकू विमान शामिल हैं।

चीन अपने इस सैन्य अभ्यास को ताइवान की आजादी चाहने वालों के लिए जवाब बता रहा है। चीन ताइवान के नए राष्ट्रपति को अलगाववादी मानता है।

हालांकि, चीन के इस सैन्य ड्रील के खिलाफ ताइवान भी पूरी तरह तैयार है। ताइवान ने अपनी आर्मी को चीनी कोस्ट की ओर रवाना कर दिया है। ताइवान का कहना है कि उसकी सेना अपने देश की रक्षा करने के लिए सक्षम है। चीन की किसी भी नापाक हरकत का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए ताइवाइन की सेना ने मोर्चा संभाल लिया है। फिलहाल, चीन की बौखलाहट की वजह ताइवान के नए राष्ट्रपति लाई चिंग-ते हैं। पद संभालने के बाद ही राष्ट्रपति लाइ ने कहा था कि चीन ताइवान को सैन्य धमकी न दे। राष्ट्रपति लाई ने कहा था कि ताइवान चीन से डरने वाला नहीं है। बता दें कि लाई ने इसी साल जनवरी में चुनाव जीता है। इसके बाद उन्होंने सोमवार को राष्ट्रपति पद की शपथ ली। बीजिंग नहीं चाहता था कि लाई और उनकी पार्टी डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (डीपीपी) ताइवान पर रूल करे। चीन लाइ को फूटी आंख भी नहीं सुहाता है।

हालांकि, ताइवान के खिलाफ चीन की गीदड़भभकी पहली बार नहीं है। जब जनवरी में ताइवान में चुनाव हुए थे, तब भी चीन ने अपनी बौखलाहट दिखाई थी। तब चीन ने ताइवान के जल और एयर स्पेस में अपनी सैन्य गतिविधी और पेट्रोलिंग बढ़ा दी थी। इस बार भी जब ताइवान को आजादी समर्थक नया राष्ट्रपति मिल गया है, चीन ने संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू कर दिया है।

ताइवान को घेरकर चीन का युद्धाभ्यास, लड़ाकू विमान-युद्धपोत शामिल

बीजिंग।ताइवान में तीन दिन पहले चीन विरोधी नेता विलियम लाई चिंग-ते के राष्ट्रपति की शपथ के बाद चीन ने गुरुवार को ताइवान को चारों तरफ से घेरकर दो दिन का युद्धाभ्यास शुरू कर दिया है। ऐसा पहली बार है जब चीन ताइवान के खिलाफ इतने बड़े पैमाने पर युद्धाभ्यास कर रहा है। इससे पहले तक वह सिर्फ ताइवान पर आर्थिक प्रतिबंध लगाता आया है। दरअसल, ताइवान में इस साल जनवरी में हुए राष्ट्रपति चुनाव से पहले चीन ने उम्मीदवार लाई चिंग ते को अलगाववादी कहा था।

अमेरिका : रामास्वामी ने जॉर्जिया में डेमोक्रेटिक प्राइमरी जीती, सुशीला जयपाल को ओरेगन में मिली हार

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य सीनेट के चुनाव में उम्मीदवारी हासिल करने की कोशिश कर रहे भारतीय-अमेरिकी अश्विन रामास्वामी ने डेमोक्रेटिक पार्टी की राज्य प्राइमरी जीत ली है।

हालांकि, भारतीय-अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल की बहन सुशीला जयपाल को ओरेगन राज्य से कांग्रेस चुनाव लड़ने के लिए आवश्यक प्राइमरी चुनाव हार गई हैं। रामास्वामी (23) ने कहा, ''नवंबर में मैं रिपब्लिकन सीनेटर शॉन स्टिल का सामना करूंगा-जिन पर डोनाल्ड ट्रम्प के साथ 2020 में फर्जी मतदाता होने का आरोप लगाया गया था। यह जॉर्जिया की सबसे अनिश्चित नतीजों वाली सीनेट सीट है।''

रामास्वामी ने सप्ताह के अंत में जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि हासि की है। रामास्वामी के माता-पिता 1990 में तमिलनाडु से अमेरिका आए थे। वह 'जेनरेशन-जेड' के पहले भारतीय हैं जिन्होंने राजनीति में यह उपलब्धि हासिल की है। इस श्रेणी में 1997 से 2012 के बीच पैदा हुए लोग आते हैं। यदि वह निर्वाचित होते हैं तो जॉर्जिया राज्य में अब तक के सबसे कम उम्र के निर्वाचित प्रतिनिधि होंगे और जॉर्जिया में यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतवंशी होंगे।

औरगॉन में 62 वर्षीय सुशीला कांग्रेस के चुनाव में उम्मीदवारी की दावेदारी हार गईं। वह औरगॉन के तीसरे कांग्रेस जिले में राज्य प्रतिनिधि मैक्सिन डेक्सटर से हार गईं। डेक्सटर को 51 फीसदी वोट मिले। प्रमिला जयपाल ने कहा, 'मुझे अपनी असाधारण बहन सुशीला जयपाल पर बहुत गर्व है। हमारे परिवार को ऐसे परिणाम की उम्मीद नहीं थी, लेकिन मुझे पता है कि सुशीला ने सब कुछ दांव पर लगा दिया और जनहित में निहित प्रगतिशील अभियान चलाया।'

लड़की ने माता पिता पर केस किया पूछा- बिना इजाजत मुझे पैदा क्यों किया?

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। कोई लड़की अपने माता पिता से ये पूछे की आपने मुझे बिना इजाजत के पैदा क्यों किया। इसका जवाब शायद किसी के पास नहीं होगा। अमेरिका के न्यूजर्सी की रहने वाली टिकटॉकर कास थिएज़ ने कुछ दिनों पहले एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था, इसमें वो अपनी कार में बैठी थीं और कह रही थीं कि उन्होंने अपने माता-पिता पर केस कर दिया क्योंकि उन्होंने बिना उसकी परमिशन के उसे पैदा कर दिया। पर फिर उसने बताया कि उसके खुद के भी बच्चे हैं। ये जानकर लोग इतना ज्यादा हैरान हुए कि उसे जमकर ट्रोल करने लगे। बहुत से लोगों ने कहा कि उसे चेकअप करवाने की जरूरत है, उसका मानसिक संतुलन खराब है।

लड़की ने पहले वीडियो में बताया कि अगर उसके माता-पिता को बच्चा पैदा करना था तो प्रेग्नेंसी से पहले उसे एक तांत्रिक से संपर्क करना चाहिए था और उसकी आत्मा से संपर्क कर पूछना चाहिए था कि क्या वो इस दुनिया में आना चाहती है या नहीं। उसके बाद उन्हें आगे बढ़ना चाहिए था। पर उन्होंने ऐसा नहीं किया, इसलिए उसने उनपर केस कर दिया। जब लोगों ने उससे पूछा कि फिर उसके बच्चे क्यों हैं, तो उसने बोला कि उसने बच्चों को गोद लिया है, पैदा नहीं किया। इस वजह से वो उन्हें इस दुनिया में लाने के लिए जिम्मेदार नहीं है। जब उसका वीडियो वायरल होने लगा और लोगों ने उसे ट्रोल किया तो लड़की ने पूरी सच्चाई बताई। लड़की के अकाउंट पर लिखा है कि वो एक हास्य-व्यंग्य से जुड़ा अकाउंट है। लिहाजा उसकी कही गई बात सिर्फमजाक है, उसमें कोई भी सच्चाई नहीं है। लड़की ने बताया कि वो एक समलैंगिक है। जिन लोगों को पता है कि वो मजाक कर रही है, उन्होंने उसके कॉमेडी की तारीफकी और वीडियो पर उसी तरह के रिएक्शन भी दिए।

फिलिस्तीन को मान्यता देने वाले देशों पर भड़के नेतन्याहू, राजदूत बुलाए, एक्शन की चेतावनी

तेलअवीव(एजेंसी)। फिलिस्तीन को औपचारिक देश के रूप में मान्यता देने वाले नॉर्वे, स्पेन और आयरलैंड पर इजरायल भड़क गया है। पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने इस कदम की कड़ी आलोचना करते हुए तीनों देशों से राजदूत वापस बुला लिए हैं। साथ ही तंज भी कसा कि यह हत्यारों को गोल्ड मेडल देने जैसा है। उन्होंने कहा कि यह कदम 7 अक्तूबर को इजरायल में हुए भीषण नरसंहार का समर्थन करता है। हालांकि इससे हम रुकने वाले नहीं हैं। अगर यह फैसला वापस नहीं लिया तो हम उन देशों के खिलाफ भी इसी तरह के कदम उठाएंगे। स्पेन, नॉर्वे और आयरलैंड के फिलिस्तीन को मान्यता देने पर इजरायल इस कदर भड़का हुआ है कि उसने इस तीनों देशों से तुरंत अपने राजदूत वापस बुला लिए। विदेश मंत्री इजरायल काट्ज ने कहा, मैं आज स्पष्ट संदेश भेज रहा हूं कि अगर कोई भी इजरायल की संप्रभुता को कमजोर करता है और इसकी सुरक्षा में दखलंदाजी करता है तो इजरायल उन लोगों के खिलाफ सख्ती बरतेगा।काट्ज ने कहा, आयरलैंड और नॉर्वे ने

फिलीस्तीन को मान्यता देने का फैसला लेकर हमास और ईरान को इनाम देने का विकल्प चुना है। साथ ही दुनिया के सामने यह संदेश स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवाद फ़ायदेमंद है जबकि इस आतंकवादी संगठन हमास ने यहूदियों का सबसे बड़ा नरसंहार और दुनियाभर में सबसे ज्यादा यौन अपराध किया है। उन्होंने चेतावनी देते हुए, इज़रायल चुप नहीं रहेगा। इसके और भी गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। स्पेन अगर फिलिस्तीन को मान्यता देने के इरादे पर कायम रहता है, तो उसके खिलाफ भी इसी तरह का कदम उठाया जाएगा। प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को कहा कि स्पेन, आयरलैंड और नॉर्वे की फिलिस्तीन को देश की मान्यता देना आतंकवाद के लिए इनाम देने के समान है। नेतन्याहू ने कहा कि आतंकवाद फैलाने वाले किसी देश को इस तरह से बढ़ावा दिए जाने का काम नहीं करना चाहिए। यह कदम 7 अक्तूबर को हमारे देश में हुए नरसंहार को बढ़ावा देने जैसा है। उन्होंने आगे कहा कि आतंकवाद के लिए पुरस्कार नहीं दिया जाता और यह कदम हमे हमास के खिलाफ हमला करने से नहीं रोक सकता। उधर, फिलिस्तीन को मान्यता देने के अपने फैसले को सही ठहराते हुए नॉर्वे, स्पेन और आयरलैंड ने कहा कि वे औपचारिक रूप से अगले सप्ताह तक फिलिस्तीन को एक राष्ट्र के रूप में मान्यता दे दें। नॉर्वे ने तारीख की भी घोषणा की। पीएम गार स्तोर ने कहा कि 28 मई को फिलिस्तीन को देश के रूप में मान्यता दी जाएगी। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ ने कहा है कि नेतन्याहू दो-राष्ट्र समाधान को जोखिम में डाल रहे हैं।

शीर्ष अदालत का फैसला, निखिल गुप्ता को अमेरिका करें प्रत्यर्पित

-खालिस्तानी आतंकवादी पन्नू की हत्या के प्रयास का मामला

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ने खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या के असफल प्रयास मामले में निखिल गुप्ता को आरोपी माना है। वॉशिंगटन ने चेक गणराज्य सरकार से उनके प्रत्यर्पण की मांग की थी। लोअर कोर्ट और हाईकोर्ट के बाद अब शीर्ष अदालत ने भी निखिल गुप्ता के प्रत्यर्पण को हरी झंडी दे दी है।

खालिस्तानी आतंकवादी पन्नू की हत्या का प्रयास के इस हाई-प्रोफाइल मामले में आरोपी बताए जा रहे निखिल गुप्ता को अमेरिका प्रत्यर्पित करने का रास्ता साफ हो गया है। चेक गणराज्य की शीर्ष अदालत ने निखिल गुप्ता की याचिका और आपत्तियों को ठुकराते हुए निखिल को अमेरिका प्रत्यर्पित करने के पक्ष में फैसला सुनाया है। अब चेक गणराज्य की जस्टिस मिनिस्ट्री को निखिल गुप्ता को अमेरिका प्रत्यर्पित करने पर आखिरी फैसला लेना है।

निखिल गुप्ता को करीब एक साल पहले पराग्वे में गिरफ्तार किया था। निखिल की गिरफ्तारी के बाद अमेरिका ने निखिल को प्रत्यर्पित करने का आग्रह किया था, ताकि पन्नू मामले में निखिल के खिलाफ मुकदमा चलाया जा सके। निखिल ने इसके खिलाफ चेक गणराज्य की अदालत में याचिका दायर की थी। पराग्वे की ट्रायल कोर्ट ने 23 नवंबर 2023 को निखिल की याचिका खारिज करते हुए उसे प्रत्यर्पित करने का आदेश दिया था। निखिल ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने 8 जनवरी 2024 को ट्रायल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। इसके बाद निखिल ने शीर्ष अदालत का रुख किया। एक रिपोर्ट के अनुसार, शीर्ष अदालत ने भी निखिल की याचिका खारिज करते हुए उसको अमेरिका प्रत्यर्पण का रास्ता साफ कर दिया।

रिपोर्ट के मुताबिक निखिल गुप्ता ने अमेरिका प्रत्यर्पित किए जाने का विरोध किया था। उसने कोर्ट से इस मामले की राजनीतिक प्रकृति को संज्ञान में लेने और सभी दस्तावेजों की छानबीन करने का आग्रह किया था। निखिल के वकील की दलील पर शीर्ष अदालत ने कहा कि अदालत ने न केवल अमेरिका की ओर से मुहैया कराए गए प्रत्यर्पण दस्तावेज की छानबीन की है, बल्कि निखिल गुप्ता के विरोध पर यूएसए की ओर से मुहैया कराए गए अतिरिक्त दस्तावेज को भी पूरी तरह से देखा और परखा है।

एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिका में विक्रम यादव नामक रॉ अधिकारी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या के प्रयास की साजिश में शामिल थे और इस कदम को भारतीय जासूसी एजेंसी रॉ के

तत्कालीन प्रमुख सामंत गोयल ने मंजूरी दी थी। मीडिया खबर में दावा किया गया है कि पन्नू खालिस्तान आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक है और सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) का कानूनी सलाहकार और प्रवक्ता है। एसएफजे का उद्देश्य एक अलग सिख राष्ट्र के विचार को बढ़ावा देना है। बता दें कि भारत सरकार ने पन्नू को आतंकवादी घोषित कर रखा है।

संपादकीय

परमात्मा के प्रेम की बहार का आनंद लें: संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

जब हम अपने अंतर में प्रभु-प्रेम के स्त्रोत से जुड़ते हैं तो हम पूरी कायनात को परमात्मा का एक परिवार मानते हुए सभी से प्रेम करते हैं। यह प्रेम हमसे प्रवाहित होकर उन सभी को खुशी पहुँचाता है, जिनसे भी हम मिलते हैं। वे भी इस प्रेम की शीतल हवाओं को महसूस करते हैं। यदि प्रत्येक इंसान प्रेम की इस स्थिति में रहे तो यह संसार एक दिन पृथ्वी पर स्वर्ग बन जाएगा।

हम अंतर में परमात्मा के जिस प्रेम से जुड़ते हैं, वही सच्चा सौंदर्य है, जो दुनिया को सुंदर बनाता है। चीजें स्वयं ही सुंदर नहीं है लेकिन प्रभु के प्रेम की शक्ति और ऊर्जा ही उन्हें जान देती है, जिससे कि हम उस सौंदर्य को महसूस करते हैं। प्रेम क्या है? यह केवल परमात्मा की शक्ति है। इसे समझने के लिए हम बल्ब का उदाहरण ले सकते हैं। जिसमें बल्ब का बाहरी कांच या अंदर की तार प्रकाश नहीं देती, यह उस तार में प्रवाहित होने वाली बिजली की शक्ति है, जिससे बल्ब जलता है। जब बिजली नहीं होती तब अंधेरा रहता है। जब हम बल्ब के बारे में सोचते हैं तो उसकी सुंदरता की बात करते हैं लेकिन बिजली के बिना यह निरर्थक है। इसी तरह एक उद्यान भी खूबसूरत इसलिए लगता है क्योंकि परमात्मा की जीवन देने वाली शक्ति फूलों से प्रकट होती है।

परमात्मा से जो प्रेम प्रवाहित होता है, वही हमें परमात्मा की शक्ति से जोड़े रखता है। प्रभु का यही प्रेम हमारी चेतनता को बढ़ाता है, जिससे हम वातावरण में, उद्यान में और अपने जीवन में सच्चे सौंदर्य को देख पाते हैं।

हम परमात्मा की याद में मगन रहने के लिए अपने जीवन में बदलाव ला सकते हैं। इसके लिए हमें केवल प्रयास करने की जरूरत है। वह कौन सा प्रयास है? इसमें केवल प्रेम, समर्पण और विश्वास से हमें ध्यान-अभ्यास में समय देना है और खुद का निरीक्षण करते हुए हमें अहिंसा, सच्चाई, नम्रता, पवित्रता और निष्काम सेवा जैसे गुणों को अपने जीवन में ढालना है। यह प्रयास है, परमात्मा को, अपने साथियों को, सब लोगों को, प्राणियों को और निचले स्तर के जीवों को प्रेम करने का। यह प्रयास है निष्काम सेवा करने का। बाकी सब कुछ हमें परमात्मा पर छोड़ देना चाहिए।

यदि हम ऐसा करते हैं तो हमें परमात्मा की अपार दयामेहर बख्शीष के रूप में जरूर प्राप्त होती है। फिर हम एक शांतिपूर्ण जीवन व्यतीत करते हैं और साथ ही साथ यह भी अनुभव करते हैं कि परमात्मा हर वक्त हमारी संभाल कर रहे हैं। उस अवस्था में हम अपनी जिंदगी परमात्मा के हाथों में सौंप देते हैं। फिर हमारी सारी चिंताएं दूर हो जाती हैं और हम केवल आराम से बैठकर अपने अंतर में परमात्मा के प्रेम की बहार का आनंद लेते हैं।

आज का राशीफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ के योग हैं।

वृषभ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। वाद-विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। जारी प्रयास सार्थन होगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है।

कर्क पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मैत्री संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। पड़ोसी या अधीनस्थ कर्मचारी से विवाद हो सकता है। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कन्या पिता का भरपूर सहयोग मिलेगा और उससे प्रगति भी होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी में सौम्यता बनाये रखे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। मकान या सम्पत्ति के मामले में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शासन सत्ता या घर के मुखिया के कारण तनाव मिल सकता है। देशाटन या व्यावसायिक यात्रा फलीभूत होगी। निजी संबंध मधुर होंगे। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।

धनु शासन सत्ता का लाभ मिलेगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। आर्थिक मामलों में सुधार होगा। षड्यंत्र की आशंका है। कोई सुखद समाचार मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। स्थानान्तरण या अन्य व्यावसायिक लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग की संभावना है। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन

शादी के आधे-अधूरे विकल्पों का मोह

क्षमा शर्मा

अपने देश में विवाह आज भी एक महत्वपूर्ण संस्था है। बदले वक्त ने इसे अरबों के बाजार में भी तब्दील कर दिया। मंगनी से लेकर हल्दी, मेहंदी, प्रि-वैडिंग, प्रि-वैडिंग शूट और भी न जाने कौन-कौन से फंक्शन हर दिन जुड़ते चले जा रहे हैं। ये तब है जब विवाह बड़ी संख्या में टूट रहे हैं। हाल ही में एक खबर ने चौंकाया था कि चूंकि पति पत्नी के लिए कुरकुरे लाना भूल गया तो वह नाराज होकर मैके चली गई और वहां से तलाक के कागजात भिजवा दिए। लेकिन फिर भी शादी के अनाप-शनाप खर्चे बढ़ते जा रहे हैं। ऐसी भी खबरें आती हैं कि शादी के लिए युवा बहुत बड़ी-बड़ी रकमों का लोन लेते हैं और लम्बे समय तक उसे चुकाते रहते हैं। बीच में शादी टूट गई तो दूसरी आफतें अलग से। इसी बदले वक्त ने विवाह के नाम पर कुछ प्रयोग भी सिखाए हैं, जिन्हें विवाह नहीं कहा जाता। जैसे कि बहुत से जोड़े तमाम किस्म की जिम्मेदारी से बचने के लिए लिव-इन में रहना पसंद करते हैं। वे कहते भी हैं कि जब तक मन करे साथ रहो, जब रिश्ता न चले तो अलग हो जाओ। किसी भी तरह की कानूनी प्रक्रिया और भाग-दौड़ की जरूरत नहीं। लेकिन लिव-इन के रिश्ते जब टूट जाते हैं तो आज भी लड़कों के मुकाबले लड़कियों को इसकी आफत को ज्यादा झेलना पड़ता है। कई परिचित लड़कियों के साथ ऐसा होते देखा है। पश्चिमी देशों की तरह अब यहां साथी के लिए पार्टनर जैसे शब्द भी इस्तेमाल होने लगे हैं। पश्चिमी देशों में तो बाकायदा पार्टनर के साथ रहने के लिए एक कानूनी प्रक्रिया होती है। यदि ऐसे रिश्ते से बच्चे हैं तो उनकी जिम्मेदारी कैसे उठाई जाएगी। स्त्री-पुरुष और बच्चों के क्या अधिकार होंगे। इसी तरह उत्तराधिकारी का निर्णय कैसे होगा। सम्पत्ति किस तरह बंटेगी। यदि रिश्ता न चला तो किसका क्या अधिकार होगा। हर बात की लिखित कार्यवाही होती है। अपने यहां पार्टनर के साथ रहने की भी कुछ शर्तें हैं या नहीं, ये पता नहीं है। कायदे से बदले वक्त के साथ अगर युवा इस तरह के रिश्तों में जा रहे हैं तो इन पर नैतिकतावादी विचार लादने के मुकाबले इन सम्बंधों के लिए भी अलग से कानून बनने चाहिए।वैसे दुनियाभर में कहा जा रहा है कि अकेलापन सबसे बड़ी महामारी के रूप में बढ़ रहा है। इसका बड़ा कारण परिवार का न होना है। ऐसा होता दिख भी रहा है। लेकिन यह बात तब तक शायद ही समझ में आती है जब तक हम युवा होते हैं। उम्र बढ़ने पर जब किसी सहारे की जरूरत होती है, तो आसपास कोई नहीं दिखता। जिन विचारों की लौ जलाए रखने के लिए परिवार से दूर हुए वे लौ भी बुझ चुकी होती हैं। आसपास कोई सुनने वाला तक नहीं होता। ऐसे लोग इन दिनों अपने देश में भी खूब दिखते हैं जो अस्सी-पचासी साल में अकेले रहते हैं। या वृद्धाश्रमों की शरण लेते हैं। इनमें से बहुतों को परिवार की उपेक्षा के कारण इन स्थानों पर जाना पड़ता है। लेकिन बहुत से ऐसे भी होते हैं जिनका कोई परिवार ही नहीं है। ऐसे कई लोगों को आसपास देखती हूं, जिन्होंने परिवार नहीं बसाया। ये अक्सर अकेले आते-जाते और बैठे दिखाई देते हैं। और अक्सर आते-जातों को आशा भरी नजरों से देखते हैं कि कोई तो हो जो कुछ देर पास बैठकर हाल-चाल पूछ ले। इन्हीं प्रसंगों में पिछले दिनों, जापान के बारे में एक खबर पढ़ी कि वहां फ्रेंडशिप मैरिज का चलन बढ़ रहा है तो इस बारे में जानने की जिज्ञासा हुई। इस बारे में पढ़ने लगी। यहां बताते चलें कि जापान का समाज अकेलेपन की वजह से लगभग तबाही की स्थिति में है। अधिकांश लोग अकेले रहते हैं। युवा विवाह नहीं करना चाहते। जिनका विवाह हुआ है वे बच्चे नहीं चाहते। इसीलिए वहां सरकार युवाओं को परिवार बसाने और बच्चे पैदा करने के लिए तरह-तरह के फायदे देने की बात भी करती है, मगर वहां लोग शादी ही नहीं करना चाहते। इसीलिए फ्रेंडशिप मैरिज के बारे में जानने की जिज्ञासा और बढ़ी। जितना पढ़ती गई हैरान होती गई। इस तरह के विवाह में दम्पति के बीच में किसी तरह का भावनात्मक या शारीरिक रिश्ता नहीं होता है। इस तरह की शादियों की संख्या जापान में दिन पर दिन बढ़ रही है। ऐसे लोगों के बारे में बताया जाता है कि या तो वे होमो सेक्सुअल हैं या हीट्रोसेक्सुअल। वहां लोग पारंपरिक विवाह से दूर हो रहे हैं। कोलोरस नाम की एजेंसी इस तरह के विवाह कराती है। अब तक सैकड़ों विवाह करा चुकी है। ऐसे दम्पति बच्चे भी पालते हैं। ये लोग या तो सरोगेसी का सहारा लेते हैं अथवा बच्चे गोद ले लेते हैं। कानूनी रूप से पति- पत्नी होते हैं लेकिन किसी भी तरह का रिश्ता इनके बीच में नहीं होता है। ये जोड़े इस शादी से बाहर किसी और से, अपने मनपसंद व्यक्ति से भी सम्बंध रख सकते हैं। शादी से पहले ये युवा आपस में सारे मसलों पर बातचीत करते हैं। एक ऐसे जोड़े ने कहा कि फ्रेंडशिप मैरिज का मतलब सरल शब्दों में ये है कि एक जैसी रुचियों वाले रूममेट को पाना। एक लड़की ने कहा कि मैं किसी की अच्छी प्रेमिका नहीं हो सकती, न मैं अच्छी पत्नी बन सकती हूं, लेकिन मैं अच्छी दोस्त हो सकती हूं। इसीलिए मैं किसी ऐसे दोस्त की तलाश में थी, जिसकी रुचियां मुझसे मिलती हों। हम एक-दूसरे से हर विषय पर बात कर सकें। एक-दूसरे के साथ से आनंदित हो सकें। जब ऐसा व्यक्ति मिला तो मैंने फ्रेंडशिप मैरिज के बारे में सोचा। ऐसी शादियां वे जोड़े चुन रहे हैं, जिनकी आय अच्छी खासी है और वे किसी रिश्ते के मुकाबले एक अच्छे साथी की तलाश में हैं। इस तरह की शादी के विशेषज्ञ एक वकील ने इसे परिभाषित करते हुए कहा- वे जो दोस्त अच्छे हैं, लेकिन लवर्स नहीं हैं। बताया जा रहा है कि जापान की एक सौ चौबीस मिलियन जनसंख्या में एक प्रतिशत लोग इस तरह की शादी का चुनाव कर रहे हैं। इन शादियों में कानूनी तौर पर हर काम का बंटवारा भी होता है। कौन कब घर की देखभाल करेगा, कपड़े कौन धुलवाएगा। कौन-सी जिम्मेदारी किसकी कब-कब होगी। लोग जापान में ये भी कह रहे हैं कि वह दिन दूर नहीं जब यहां पारंपरिक विवाह खत्म हो जाएंगे। हालांकि देखा जाए तो फ्रेंडशिप मैरिज में भी लोग जिम्मेदारियां उठा ही रहे हैं। वे साथी पाने के लिए बहुत-सी शर्तें भी मान रहे हैं। बच्चे भी पाल रहे हैं। ऐसे में कई बार यह भी लगता है कि नए के नाम पर कोई नई परंपरा चला दी जाए, ठीक है। लेकिन इसे देखते हुए पारंपरिक विवाह में ही ऐसी क्या बुराई है। लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

देश में लोकशाही जीवंत रखनी हे तो ना-लायक को ना-लायक कहना होगा और नोटा को भी प्रत्याशी का दर्जा देना होगा

कहने को तो भारत देश में लोकशाही चल रही है लेकिन कभी कबार ऐसा महसूस हो रहा है की लोकशाही का खुलेआम गला घोटा जा रहा है और हम सब तमास बिन बन कर देख रहे हैं। जैसे की इस चुनाव में लाखों नागरिक इंदौर और सूरत में चुनाव होते हुए भी अपना मत का अधिकार गवा बैठे। अगर नोटा को वहां पर प्रत्याशी का दर्जा मिल गया होता तो शायद सभी नागरिक को अपना मताधिकार भी मिल गया होता।

भारत में हम देख रहे हैं कि अभी पक्षोमे कोई नीति नियम सहनशीलता किसी भी प्रकार के एथिक्स नहीं रहे हैं । किसीको भी इमानदारी से या संविधान के अनुसार चुनाव लड़ने में रस नहीं है अगर वह जीत रहे हैं तो किसी भी हद तक जितने के लिए जा सकते हैं कितना भी नीचे गिर सकते हैं इससे उसकी कोई भी फर्क नहीं पड़ता है बस जीत अपनी होनी चाहिए । बस यही टारगेट से सब लड़ रहे है जिसमें देश की लोक शाही और चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह से साइड हो रही है। और भारत की लोकशाही में बहुत बड़ा दाग लग रहा है। जो हम दिन प्रतिदिन चुनाव में देख रहे हैं पहले तो गांव के चुनाव में ऐसा होता था अब तो लोकसभा और राज्यसभा के चुनाव में भी यह साफ दिखने को मिल रहा है और लोकशाही और मताधिकार का गला घोटा जा रहा है।

सब लोग जानते हैं कि चुनाव के दौरान फॉर्म भरने की तारीखों के दौरान और फॉर्म वापस खींचने की समय के दौरान कैसे-कैसे स्टंट देखने को मिलते हैं

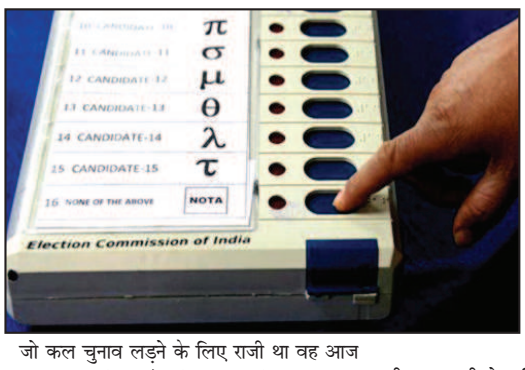

जो कल चुनाव लड़ने के लिए राजी था वह आज फॉर्म वापस ले रहा है। जो कल सामने खड़ा था वह आज साथ खड़ा है। ऐसे दोगले लोग चुनाव लड़ रहे हैं जिसको ना तो अपनी ईमानदारी की पड़ी है ना तो अपनी धर्म की और ना तो देश के प्रति अपने कर्म की। कोई भी प्रत्याशी अपना फॉर्म वैसे ही वापस नहीं खींचता है वह सब जानते हैं और ऐसे ही लोकशाही का हनन होता रहा तो देश में चुनाव का कोई मतलब ही नहीं रह जाएगा। और चुनाव का मतलब नहीं तो लोकशाही का भी कोई मतलब नहीं। लेकिन ऐसी सब चीजों में नोटा इन सभी के ऊपर एक बहुत बड़ा किंग मेकर साबित हो सकता है जिसको ना तो हटाया जा सकता है ना तो वापस लिया जा सकता है और ना तो लोगों से अपना मताधिकार छीना जा सकता है। तो पहले जानते हैं नोटा के बारे में !?

NOTA (None of the above) का अर्थ है- इनमे से कोई भी नहीं। NOTA का उपयोग पहली बार भारत में 2009 में किया गया था।स्थानीय चुनावों में मतदाताओं को NOTA का विकल्प देने वाला छत्तीसगढ़ भारत का पहला राज्य था। NOTA बटन ने 2013 के विधानसभा चुनावों में चार राज्यों - छत्तीसगढ़, मिजोरम, राजस्थान और मध्य प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली में अपनी शुरुआत की। 2014 से नोटा पूरे देश मे लागू हुआ।भारत निर्वाचन आयोग ने दिसंबर 2013 के विधानसभा चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में इनमें से कोई नहीं अर्थात 'नोटा'(None of the above) बटन का विकल्प उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

2018 में नोटा को भारत में पहली बार उम्मीदवारों के समकक्ष दर्जा मिला। हरियाणा में दिसंबर 2018 में पांच जिलों में होने वाले नगर निगम चुनावों के लिए हरियाणा चुनाव आयोग ने निर्णय लिया कि नोटा के विजयी रहने की स्थिति में सभी प्रत्याशी अयोग्य घोषित हो जाएंगे तथा चुनाव पुन: कराया जाएगा। हालांकि अभी भारत निर्वाचन आयोग ने इसे लागू नही किया है।

भारत के आम चुनाव, 2019 में भारत में लगभग 1.04 प्रतिशत मतदाताओं ने उपरोक्त में से कोई नहीं (नोटा) के लिए मतदान किया, जिसमें बिहार 2.08 प्रतिशत नोटा मतदाताओं के साथ अग्रणी रहा।

यहां पर हमारे देश में अभी तक यह लागू नहीं किया गया है कि नोटा में ज्यादा मत पड़े तो सारे प्रत्याशी को गैर लायक ठहराया जाए और सारी चुनावी प्रक्रिया वापीश हो। इसके साथ ही अगर कोई एक जगह सिर्फ एक ही प्रत्याशी बचता है जैसे की सूरत और इंदौर में हुआ तो नोटा एक प्रत्याशी के रूप में शामिल होगा और सारे नागरिकों को मताधिकार मिल सकेगा और अगर इस तरह के चुनाव में नोटा में मत ज्यादा आते हैं तो लोकशाही और संविधान के तहत वह चुनाव की प्रक्रिया फिर से होगी और आम लोगो को दोबारा उसी जगह मताधिकार मिलेगा ! इसीलिए संविधान को और लोकशाही को जिंदा रखना है तो ना - लायक को ना-लायक कहना होगा और नोटा को भी प्रत्याशी का दर्जा देना होगा।

लेखक: प्रतिक संघवी
राजकोट गुजरात

विचार मंथन

खाता ना बही, चुनाव आयोग जो कहे, वह सही

(लेखक - सनत जैन)

चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में अपना जवाब बुधवार को पेश कर दिया है। चुनाव आयोग ने जो हलफनामा सुप्रीम कोर्ट में दायर किया है। उसमें कहा गया है, फार्म 17 सी की जानकारी मतदान एजेंट को ही देने का प्रावधान कानून में है। कानून में अन्य किसी व्यक्ति को या किसी संस्था को जानकारी देने का कानून में कोई उल्लेख नहीं है। इसे सार्वजनिक कर देने से आम मतदाताओं के बीच में भ्रम फैल सकता है। चुनाव आयोग ने कहा है, डाक मत पत्र की जानकारी फार्म 17ब में नहीं होती है ऐसी स्थिति में यह जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा सकती है। फार्म 17ब में पीठासीन अधिकारी को ईवीएम और वीवीपेट मशीनों के नंबर लिखने होते हैं। मतदान केंद्र में कितने वोटर पंजीकृत हैं। उसमें से कितनो ने मतदान किया है। उसमें कितने महिला थे और कितने पुरुष थे। जब मतदान खत्म हो जाता है, तब ईवीएम की क्लोज बटन दबाने के बाद पीठासीन अधिकारी को मतदान से संबंधित पूरी जानकारी एक ही बटन दबाने से मिल जाती है। पीठासीन अधिकारी फॉर्म 17 सी में यह जानकारी भरकर जितने भी उम्मीदवार के प्रतिनिधि होते हैं। उनको देने का नियम है। पूर्व चुनाव आयुक्त वाईएस कुरैशी ने अपने एक साक्षात्कार में कहा, 2014 में चुनाव आयोग द्वारा फार्म 17 की जानकारी पोर्टल में चुनाव खत्म होने के 24 घंटे के अंदर अपलोड की जाती थी, जिसके कारण प्रत्येक संसदीय क्षेत्र में कितने मतदाता हैं, किन-किन मशीनों का उपयोग किया गया है। उनके नंबर क्या है। उस मतदान केंद्र में कुल कितने पंजीकृत मतदाता थे। उसमें कितनों ने मतदान किया है। स्त्री,पुरुषों ओर ट्रांसजेंडर कितने थे, यह सभी जानकारी फॉर्म 17 में सी शामिल होती है। यह कोई गोपनीय जानकारी नहीं होती है। जिससे चुनाव कहीं प्रभावित हो सके। चुनाव सुधार कार्यक्रम के तहत समय-समय पर नए-नए नियम चुनाव आयोग द्वारा सभी राजनीतिक दलों की सहमति से तैयार किए गए हैं। सार्वजनिक जानकारी को गोपनीय बनाने के कारण अब चुनाव आयोग के ऊपर तरह-तरह के आरोप तथा विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। 24 मई से सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यों की खंडपीठ चुनाव आयोग से संबंधित याचिकाओं की सुनवाई करने जा रही है। चुनाव आयोग ने मतदान से संबंधित जानकारी केवल प्रतिशत के आधार पर, प्रथम चरण के मतदान की जानकारी 11 दिन बाद और द्वितीय चरण के मतदान की जानकारी चार दिन बाद चुनाव आयोग के पोर्टल पर अपलोड की थी। इसको लेकर देश भर के भाजपा को छोड़कर सभी राजनीतिक दलों ने चुनाव आयोग से डेटा प्रकाशित करने की मांग की थी। चुनाव आयोग ने अपना नया नियम बना लिया है। परंपरा से जो जानकारी अभी तक दी जा रही थी, उसको छुपाने के पीछे जो तर्क चुनाव आयोग द्वारा दिया गया है, वह वैसा ही तर्क है जो इलेक्ट्रोल बांड को लेकर सरकार और स्टेट बैंक सुप्रीम कोर्ट में देती रही है। इलेक्टोरल बांड लाया ही इसीलिए गया था कि चुनाव में प्रदर्शित आये। पारदर्शिता के नाम पर गोपनीयता का जो खेल सरकार खेल रही थी। उसे सुप्रीम कोर्ट ने उजागर कर दिया। इसी तरह से वर्तमान चुनाव आयोग की कलई को पूर्व चुनाव आयुक्त कुरैशी ने उजागर कर दिया है। फार्म 17 सी की जानकारी क्यों जरूरी है। यह उन्होंने बता दिया है। मतगणना के समय सभी उम्मीदवारों के पास यह जानकारी उपलब्ध होती है। मतगणना के समय वह ईवीएम मशीनों के नंबर को चेक कर सकते हैं। ईवीएम सील होने के समय जितना मतदान हुआ था- उसका आंकड़ा उम्मीदवार के पास होता है। इससे चुनाव को लेकर सभी पक्षों का विश्वास बढ़ता है। लाखों ईवीएम मशीनें गायब हैं। जिसकी जानकारी चुनाव आयोग नहीं दे पा रहा है। उल्टे जानकारी को छुपा रहा है।

चुनाव अधिसूचना जारी होने के बाद से चुनाव आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायतों का निपटारा चुनाव आयोग द्वारा तय समय सीमा पर नहीं किया गया है। पांचवें चरण का मतदान संपन्न हो चुका है। हर चरण के बाद प्रेस कांफ्रेंस करके चुनाव आयोग सभी जानकारी प्रेस के साथ साझा करता था। वहीं पोर्टल पर सारी जानकारी उपलब्ध होने के कारण चुनाव आयोग की निष्पक्षता मतदाताओं के सामने होती थी। मतदाताओं और राजनीतिक दलों में चुनाव आयोग को लेकर विश्वास बना रहता था। यह विश्वास वर्तमान चुनाव आयोग के कार्यकाल में समाप्त हो गया है। जितनी आलोचना इस चुनाव आयोग के पदाधिकारियों की हो रही है। इसके पहले कभी भी इस तरह की आलोचना चुनाव आयोग की नहीं हुई है। चुनाव खत्म होने के बाद मतदान का जो प्रतिशत बताया गया। कई दिनों के बाद चुनाव आयोग के आंकड़े में 5 से 6 फीसदी की वृद्धि हो गई। चुनाव आयोग राज्यवार और संसदीय क्षेत्र के मतदाताओं की संख्या पांच चरण के चुनाव समाप्त हो जाने के बाद भी नहीं बता पा रहा है। चुनाव आयोग ने प्रतिशत कैसे निकाला है, यह भी जानकारी नहीं दी जा रही है। चुनाव आयोग राजनीतिक दलों के किसी भी प्रश्न का उत्तर नहीं देता है। सूचना अधिकार कानून के तहत भी जानकारी नहीं दी जा रही है।

शरीर को तरोताजा रखता है नींबू पानी

हमारे शरीर को प्रतिदिन कई सारे विटामिन्स की जरूरत होती है जिनकी कमी होने पर बीमारियाँ आ जाती हैं। इन्हीं विटामिन्स में से एक है विटामिन-सी जो शरीर की इम्यूनिटी बूस्ट करने का काम करता है। गर्मियों के इन दिनों में इसका सबसे अच्छा स्त्रोत माना जाता है नींबू को जिसके उत्पाद बहुत पसंद किए जाते हैं और शरीर को ठंडक प्रदान करते हैं। इस बात की जानकारी सभी को है कि नींबू का सेवन करने से हेल्थ काफी अच्छी रहती है और यह काफी फायदेमंद होता है। नींबू पानी भी शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। गर्मियों में नींबू पानी जरूर पीना चाहिए जिससे शरीर डिडाइड्रेटेड न हो और बॉडी में ताकत बनी रहे। नींबू पानी इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए भी प्रयोग किया जा सकता है। नींबू पानी में कई प्रकार के पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर को स्वस्थ रखते हैं। वहीं सुबह खाली पेट इसको पीने से वजन कम करने में बहुत सहायता मिलती है। साथ ही साथ पेट की समस्याओं से भी छुटकारा मिल जाता है। जिनको गैस की समस्या है उनको सुबह हल्के गर्म नींबू पानी का सेवन अवश्य करना चाहिए। नींबू से शरीर को विटामिन सी, पोटैशियम और फाइबर मिलता है। वैसे तो नींबू पानी को किसी भी वक्त पिया जा सकता है लेकिन यह सबसे ज्यादा असरकारक तब होता है जब आपका पेट पूरी तरह से खाली हो अर्थात्सुबह उठने के बाद फ्रेश होकर नींबू पानी को पिया जाए तो इसके कई सारे फायदे होते हैं।

ग्लो करती है त्वचा

सुबह नींबू पानी पीने से त्वचा में निखार आता है। रोज नींबू पानी का सेवन करने से चेहरे के दाग धब्बे भी गायब हो जाते हैं। इससे झुर्रियों से भी छुटकारा मिल जाता है। ग्लोइंग स्किन के लिए नींबू पानी बहुत मददगार साबित हो सकता है।

इम्यूनिटी को बढ़ाता है

नींबू में विटामिन सी होता है जिसकी वजह से शरीर की इम्यूनिटी पावर को बढ़ाने में मदद मिलती है। रोज सुबह खाली पेट नींबू पानी पीने से इम्युनिटी पावर को बढ़ाया जा सकता है। ऐसी कई ड्रिंक्स हैं जो इम्यूनिटी को बढ़ा सकती हैं मगर नींबू सबसे सस्ती इम्यूनिटी बूस्टर ड्रिंक है।

ठीक रहता है पाचन तंत्र

नींबू पाचन क्रिया में बहुत मददगार साबित होता है। रोजाना सुबह नींबू पानी पीने से पूरे दिन की पाचन क्रिया को दुरुस्त बनाया जा सकता है। इससे एसिडिटी से भी मुक्ति पाई जा सकती है।

एनर्जी से रहेंगे भरपूर

रोजाना लोग एनर्जी से भरपूर बने रहना चाहते हैं। रोज सुबह नींबू पानी पीने से शरीर को पूरे दिन के लिए एनर्जी मिलती है। नींबू पानी के सेवन से तनाव से लडने के लिए एनर्जी मिल जाती है और इससे मूड को भी हल्का बनाया जा सकता है।

वजन करता है कम

नींबू पानी वजन कम करने में आपकी सहायता कर सकता है। असल में, नींबू में पाया जाने वाला पेक्टिन फाइबर शरीर को भूख फील नहीं होने देता। जिसकी वजह से कोई भी असमय स्नैक्स जैसे फूड्स नहीं खाता। इससे वजन को कम करने में काफी आसानी होती है। साथ ही नींबू पानी शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालकर वजन कम करने में भी मदद करता है।

डायबिटीक मरीजों को पीना चाहिए भिंडी का पानी, स्थिर रखता है शुगर

गर्मी के सीजन में मिलने वाली भिंडी में शरीर के लिए सभी जरूरी पोषक तत्व शामिल होते है। भिंडी में सिर्फ 30 प्रतिशत कैलोरी मिलती है। भिंडी में फाइबर, विटामिन-क्च६ और फोलेट की भरपूर मात्रा होती है। विटामिन-बी डायबिटीक न्यूरोपैथी को बढने से रोकता है और होमोसिस्टाइन का लेवल कम करता है, जो शरीर में डायबिटीज का एक प्रमुख कारण माना जाता है। साथ ही, भिंडी के पानी में घुलनशील फाइबर पाया जाता है जो शरीर में शुगर को स्थिर रखता है। भिंडी में ना सिर्फ कम कैलोरी पाई जाती है, बल्कि ये पानी में घुलनशील और अघुलनशील फाइबर का भी बहुत अच्छा स्रोत है। इस एलिमेंट की वजह से शरीर में फाइबर देरी से टूटता है और खून में शुगर बहुत धीमी गति से रिलीज होता है। यही कारण है कि भिंडी शरीर का ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल रखती है। इसके अलावा, भिंडी का ग्लाइसेमिक इंडेक्स (त्रढ्ढ) भी काफी कम होता है और ये बात साबित हो चुकी है कि कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाली चीजें हमारा ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल रखती हैं। अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशन भी डायबिटीज के मरीजों के लिए भिंडी को एक बहुत अच्छा विकल्प मानते हैं।

घर में ऐसे बनाएं भिंडी का पानी

5-6 मीडियम आकार की भिंडी लेकर इनके किनारे काट लें। भिंडी को बीच से काट लें और फिर एक से दो कटोरी पानी में भिगो दें। रात भर या 4-5 घंटे इनको ऐसे ही रहने दें। इसके बाद भिंडी के टुकड़े निचोड़ कर निकाल लें। फिर इसमें थोड़ा सादा पानी मिलाएं ताकि पानी की मात्रा करीब एक गिलास हो जाए।

एक गिलास भिंडी के पानी में.

कार्बोहाइड्रेट-6 ग्राम

फोलेट-80 माइक्रोग्राम

फाइबर-3 ग्राम

प्रोटीन-2 ग्राम

भिंडी के पानी के और फायदे

- अगर आपको गुर्दे संबंधी कोई भी समस्या हो। रोजाना खाली पेट एक गिलास भिंडी का पानी पिएं। आपको फर्क नजर आ जाएगा।
- अगर आप अपना वजन कम करना चाहते है, तो इसमें भिंडी का पानी काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। लगातार एक माह इसका सेवन करने से आपको फर्क नजर आ जाएगा।
- कोलेस्ट्राल कम करने में भिंडी का पानी मददगार है। रोजाना भिंडी के पानी का सेवन करने से आपको हार्ट अटैक का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है।
- भिंडी में विटामिन ए भरपूर मात्रा में पाया जाता है। यह तत्व पानी के जरिए शरीर में जाता है जिससे आंखों की रोशनी बढ़ती है।
- शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी को पूरा करता है भिंडी का पानी। भिंडी के पानी से आपकी बॉडी में रेड ब्लड सेल्स की मात्रा तेजी से बढ़ेगी।

पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है पपीता

पपीता सेहतमंद फल माना जाता है। गर्मियों में इसे विशेष रूप से पसन्द किया जाता है। कहते हैं पपीता पानी की कमी को दूर करता है। साथ ही यह पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। एक तरफ जहाँ पपीता सेहत के लिए फायदेमंद होता है वहीं दूसरी ओर यह बालों के लिए भी बहुत फायदे वाला है। प्रदूषण, धूल-मिट्टी की वजह से बालों में आई कई परेशानियों से पपीता राहत दिलाता है। पपीते से तैयार होममेड हेयर मास्क से आप ड्राई और बेजान बालों में भी चमक ला सकते हैं।

पपीता, केला व शहद का हेयर मास्क

रूखे व बेजान बालों के लिए यह हेयर मास्क बेहद असरदार है। इसके लिए एक पके केले में 7-8 टुकड़े पपीते के डालकर मसलें। फिर इसमें 1 चम्मच शहद डालें। सारी सामग्री को मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। इस पेस्ट को अपने पूरे बालों में लगाएं और 2-3 घंटों के लिए लगा रहने दें। बाद में बालों को शैंपू से धो लें।

पपीता, नींबू के रस व शहद का हेयर मास्क

एवं बालों में रूसी और खुजली से छुटकारा दिलाने में यह हेयर मास्क बेहद फायदेमंद है। इसके लिए एक कटोरी में 8-9 टुकड़े पपीता लेकर इन्हें पीस लें। अब इसमें 2 चम्मच नींबू का रस व 1 चम्मच शहद मिलाएं। इस मिश्रण को अपनी सिर की त्वचा में लगाएं तथा हल्के हाथों से सर की मालिश करें। 1 घंटे तक लगे रहने के बाद बालों को शैंपू से धो लें।

पपीता-शहद-कोकोनट मिल्क हेयर मास्क

पपीता के आधे कप टुकड़ों को ब्लेंड कर के एक बाउल में इसको निकाल लें। अब इसमें आधा कप कोकोनट मिल्क और एक चम्मच शहद मिलाएं। तीनों चीजों को अच्छी तरह से आपस में मिक्स कर लें फिर बालों और स्कैल्प पर अच्छी तरह से लगाएं। इसके बाद हल्के हाथों से पांच मिनट मालिश करें फिर आधा घंटा लगा रहने दें, इसके बाद शैम्पू कर लें।

पपीता-ऑलिव ऑयल हेयर मास्क

एक कप पपीते के टुकड़ों को अच्छी तरह से मैश कर लें। अब दो चम्मच पपीते को एक बाउल में निकालें और इसमें दो चम्मच ऑलिव ऑयल मिक्स कर लें। इन दोनों चीजों को आपस में अच्छी तरह से मिला लें और इसको बालों और स्कैल्प पर लगाकर दस मिनट तक सर की मालिश करें। इसके बाद आधा घंटा इसको लगा रहने दें फिर शैम्पू कर लें।

पपीता-एलोवेरा हेयर मास्क

पपीता-एलोवेरा हेयर मास्क बनाने के लिए आप पपीते को छीलकर इसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। अब करीब एक कप पपीते के टुकड़े लेकर इसको अच्छी तरह से ब्लेंड कर लें और इसका रस अलग कर लें। अब इस पपीते के रस में दो चम्मच एलोवेरा जेल मिला कर अच्छी तरह से दोनों चीजों को मिक्स कर लें। फिर इस मिक्सचर को बालों और स्कैल्प पर अच्छी तरह से अप्लाई करके आधा घंटा छोड़ दें। इसके बाद पांच मिनट तक बालों और स्कैल्प की मसाज करके शैम्पू कर लें।

पपीता, बेसन और दही का हेयर मास्क

ये बालों में प्राकृतिक चमक बढ़ाता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले पपीते को मिक्सर में पीसकर पेस्ट तैयार करें। पपीते के पेस्ट में दही और बेसन मिलाएं और अच्छी तरह से मिक्स करें। हेयर मास्क इस्तेमाल के लिए तैयार है। इस्तेमाल के लिए बालों को अच्छी तरह से सुलझाकर दो बराबर भागों में विभाजित करें। हेयर मास्क से अपने स्कैल्प की अच्छी तरह से मालिश करें। हेयर मास्क को लगभग आधे घंटे तक बालों में रहने दें। सिर को शावर कैप से ढक लें। 30 मिनट के बाद बालों को माइल्ड शैम्पू से धो लें। इस हेयर मास्क को 15 दिनों में एक बार दोहराएं।

पपीता-विटामिन ई ऑयल हेयर मास्क

इसे बनाने के लिए विटामिन ई का तेल लें और करी पत्ते को एक उपयुक्त बर्तन में डालकर मीडियम आंच पर रखें। इसे तब तक गर्म करें जब तक पत्तियां चटकने न लगें। आंच बंद कर दें और तेल को कुछ मिनट के लिए ठंडा होने दें। जब तेल ठंडा हो जाए तो इसे छानकर एक कप में निकाल लें। थोड़ा पपीते का रस डालें और अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण से अपने सिर की मालिश करें। इसे अच्छी तरह से लगाएं और एक या दो घंटे के लिए रहने दें।

पपीता-दही हेयर मास्क

पपीता और दही का हेयर मास्क बनाने के लिए एक कप पपीते को ब्लेंड करके पल्प तैयार कर लें। अब इसको छलनी या कपड़े की मदद से छान कर इसका रस अलग कर लें। अब चार-पांच चम्मच पपीते का रस लें और फिर इसमें दो चम्मच दही मिक्स कर लें। दोनों चीजों को फेंट कर आपस में मिक्स कर लें और ब्रश या उंगलियों की मदद से स्कैल्प और बालों पर लगा कर आधा घंटा ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद पांच मिनट तक सर की मसाज करें फिर शैम्पू कर लें।

एक्यूट किडनी इंजरी के खतरे को कम कर सकती है कॉफी

हाल ही में एक नए अध्ययन से पता चला है कि, एक दिन में कम से कम एक कप कॉफी का सेवन करना एक्यूट किडनी इंजरी (एकेआई) कम कर सकता है। एकेआई को गुर्दे की गंभीर बिमारी के रूप में परिभाषित किया गया है, जो बहुत तेजी से गुर्दे के खराब होने से जुड़ा हुआ है।

जर्नल किडनी इंटरनेशनल रिपोर्ट्स में प्रकाशित निष्कर्ष बताते हैं कि, ''जो लोग हर दिन किसी भी मात्रा में कॉफी पीते थे, उनमें एकेआई 15 प्रतिशत कम था। वहीं दिन में दो से तीन कप पीने वाले समूह में सबसे बड़ी कमी देखी गई।'' एक्यूट किडनी इंजरी में अपशिष्ट उत्पादों का निर्माण करता है, जिससे किडनी के लिए शरीर में तरल पदार्थो का सही संतुलन बनाए रखना मुश्किल हो जाता है। जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के शोधकताओं को संदेह है कि, ''एकेआई जोखिम पर कॉफी के प्रभाव का कारण यह हो सकता है कि या तो जैविक रूप से सक्रिय यौगिकों को कैफीन के साथ जोड़ा जाता है या सिर्फ कैफीन ही गुर्दे के भीतर छिड़काव और ऑक्सीजन के उपयोग में सुधार करता है।'' यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मेडिसिन में मेडिसिन के प्रोफेसर संबंधित लेखक चिराग पारिख ने कहा, ''गुर्दे की अच्छी कार्यप्रणाली और एकेआई के प्रति सहनशीलता एक स्थिर रक्त आपूर्ति और ऑक्सीजन पर निर्भर है।'' टीम ने 14,207 वयस्कों का आकलन किया, जिनका 24 साल की अवधि में सात बार सर्वेक्षण किया गया। सर्वेक्षण अवधि के दौरान, तीव्र गुर्दे की चोट के 1,694 मामले दर्ज किए गए। हालांकि, अधिक अध्ययन की जरूरत है। पारिख ने कहा, ''गुर्दे के लिए कॉफी की खपत के संभावित सुरक्षात्मक तंत्र को परिभाषित करने के लिए, विशेष रूप से सेलुलर स्तर पर।''

ब्रेन ट्यूमर का इलाज संभव, बचने के लिए इन अहम बातों का रखें ध्यान

ब्रेन ट्यूमर मस्तिष्क में होने वाली असामान्य कोशिकाओं का एक संग्रह है। जब ट्यूमर बढ़ता है, तो इससे खोपड़ी के अंदर दबाव बढ़ सकता है। यह स्थिति मस्तिष्क को क्षति पहुंचाती है और खतरनाक हो सकती है। शरीर में अलग-अलग तरह के ब्रेन ट्यूमर होते हैं जैसे कुछ ब्रेन ट्यूमर कैंसर-रहित (नॉन-कैंसरस या बिनाइन) होते हैं और कुछ ब्रेन ट्यूमर कैंसर वाले (कैंसरस या मेलिग्नंट) होते हैं। न्यूरोसर्जन बताते हैं की या तो ब्रेन ट्यूमर मस्तिष्क में शुरू होता है जिसे प्राथमिक ब्रेन ट्यूमर कहा जाता है, या कैंसर शरीर के अन्य भागों में शुरू हो सकता है और मस्तिष्क में फैल सकता है - जिसे सेकेंडरी या मेटास्टेटिक ब्रेन ट्यूमर कहा जाता है।

अलग-अलग मामलों में ब्रेन ट्यूमर के संकेत और लक्षण भिन्न हो सकते हैं। यह ब्रेन ट्यूमर के आकार, स्थान और बढ़ने की दर पर निर्भर करते हैं। कई बार बिना किसी लक्षण के भी व्यक्ति को ब्रेन ट्यूमर की समस्या हो सकती है। डॉ.सुरेंद्र के अनुसार ब्रेन ट्यूमर में निम्न संकेत व लक्षण शामिल होते हैं जैसे कि बार-बार सिरदर्द होना ब्रेन ट्यूमर का एक आम लक्षण है, सिरदर्द का धीरे-धीरे गंभीर होते जाना, बिना किसी कारण के उल्टी और मतली आना, धुंधला दिखाई देना, दोहरा दिखाई देना, दूर की नजर कमजोर होना, हाथ व पैर के संचालन व संवेदनशीलता में लगातार कमी आना, शरीर का संतुलन बिगड़ना, उलझन, व्यवहार में परिवर्तन आना, थकान होना, सुस्ती आना, शॉर्ट टर्म मैमोरी लॉस, बोलने या समझने में कठिनाई, नींद न आना, दैनिक गतिविधियों व उनको करने की क्षमता में बदलाव आना आदि।

ब्रेन ट्यूमर होने के जोखिम को बढ़ाने वाले कुछ कारकों की पहचान की जा चुकी है, जैसे बढ़ती आयु, रेडिएशन का दुष्प्रभाव, कैंसर का पारिवारिक इतिहास और एचआईवी या एड्स होना। उम्र बढ़ने के साथ ब्रेन ट्यूमर होने का खतरा बढ़ सकता है। वृद्ध व्यक्तियों में ब्रेन ट्यूमर होना सबसे आम है। हालांकि, ब्रेन ट्यूमर किसी भी उम्र में हो सकता है। कुछ प्रकार के ब्रेन ट्यूमर तो केवल बच्चों में ही पाए जाते हैं।

रेडिएशन का एक्सपोजर

जिन लोगों को 'आयोनिजिंग रेडिएशन' नामक एक खास रेडिएशन का एक्सपोजर हुआ हो, उनमें ब्रेन ट्यूमर का खतरा बढ़ जाता है। आयोनिजिंग रेडिएशन होती है सिर पर एक बड़ी मशीन से विकिरण चिकित्सा करवाना जैसे कि कैंसर के इलाज में की जाती है।

पारिवारिक इतिहास

यदि आपके परिवार के किसी सदस्य को पहले कभी ब्रेन ट्यूमर की समस्या रही हो, तो आपके मस्तिष्क में ब्रेन ट्यूमर होने की संभावना काफी हद तक बढ़ जाती है।

पहले कैंसर होना

कैंसर से पीड़ित बच्चों को अपने बाद के जीवनकाल में ब्रेन ट्यूमर होने का अधिक खतरा रहता है। जिन वयस्कों को ल्यूकेमिया (रक्त कैंसर) होता है, उनमें भी इसके होने का खतरा रहता है।

एच.आई.वी-एड्स

सामान्य जनसंख्या की तुलना में, यदि आपको एचआईवी या एड्स है तो आपको ब्रेन ट्यूमर होने की संभावना अधिक होती है। यदि आपको ब्रेन ट्यूमर से जुड़े किसी भी प्रकार के लक्षण महसूस होते हैं तो ऐसी स्थिति में आप डॉक्टर से तुरंत शारीरिक परीक्षण लें जैसे न्यूरोलॉजिक परिक्षण, एमआरआई, सीटी स्कैन, स्पाइनल टैप और जरूरत होने पर बॉयोप्सी करवा, जल्द से जल्द इलाज कराना चाहिए।

एमजी मोटर ने 3,000 ईवी की आपूर्ति करने वर्टेलो से किया करार

नई दिल्ली । एमजी मोटर इंडिया ने विद्युतीकरण मंच वर्टेलो को 3,000 ईवी की आपूर्ति करने के लिए एक प्रारंभिक समझौता किया है। इस संबंध में दोनों ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। एमजी मोटर इंडिया ने एक बयान में कहा कि साझेदारी के तहत लोगों को टिकाऊ परिवहन समाधान प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। देश में एक मजबूत ईवी चार्जिंग बुनियादी ढांचे की स्थापना की दिशा में भी काम करेंगे। एमजी मोटर इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एमजी इंडिया और वर्टेलो के बीच यह साझेदारी भारत के कार्बन मुक्त के साथ ही हरित तथा टिकाऊ भविष्य के लिए एक साझा दृष्टिकोण दिखाती है। उन्होंने कहा कि करीब 3,000 इलेक्ट्रिक कार की खरीद के लिए एमजी मोटर इंडिया के साथ यह साझेदारी दोनों संगठनों के लिए बेड़े के विद्युतीकरण में तेजी लाने और शून्य उत्सर्जन हासिल करने के एक सामान्य लक्ष्य के साथ नए सफर की शुरुआत का प्रतीक है।

टेक महिंद्रा ने फ़ूजी टीवी से की साझेदारी

नई दिल्ली । सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टेक महिंद्रा ने भारतीय दर्शकों के लिए विभिन्न स्थानीय भाषाओं में उनकी सामग्री लाने के लिए जापान के प्रसारक फ़ूजी टीवी के साथ साझेदारी की है। कंपनी बयान के अनुसार साझेदारी के तहत फ़ूजी टीवी की मूल सामग्री को टेक महिंद्रा की स्थानीयकरण तथा एनीमेशन सेवाओं के साथ जोड़ा जाएगा। टेक महिंद्रा के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि हम भारतीय, जापानी और अन्य प्रमुख बाजारों के लिए आईपी विकसित करने की काफी संभावनाएं देखते हैं। फ़ूजी टेलीविज़न नेटवर्क के एक अन्य अधिकारी ने कहा कि लक्ष्य न केवल भारतीय बाजार में कारोबार का विस्तार करना है बल्कि ऐसी नवीन सामग्री तैयार करना है जिसमें वैश्विक स्तर तक पहुंचने की क्षमता हो।

गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस का शेयर पांच फीसदी बढ़कर सूचीबद्ध

नई दिल्ली । कनाडा स्थित फेयरफैक्स समूह समर्थित कंपनी गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस के शेयर निर्गम मूल्य 272 रुपये से पांच प्रतिशत से अधिक उछाल के साथ गुरुवार को बाजार में सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य से 3.34 प्रतिशत की बढ़त के साथ 281.10 रुपये पर कारोबार शुरू किया। बाद में यह 11.39 प्रतिशत चढ़कर 303 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर यह 5.14 प्रतिशत उछाल के साथ 286 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 26,869.44 करोड़ रुपये रहा। साधारण बीमा कंपनी गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस को निर्गम के आखिरी दिन गत शुक्रवार को 9.6 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने 2,615 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 258-272 रुपये प्रति शेयर तय किया था। क्रिकेटर विराट कोहली और उनकी पत्नी एवं अभिनेत्री अनुष्का शर्मा भी कंपनी के निवेशकों में शामिल हैं। उन्होंने आईपीओ में कोई शेयर नहीं बेचा।

मई में आईपीओ से अब तक जुटाए 9,600 करोड़

नई दिल्ली । मई में अब तक आईपीओ से जुटाए गए फंड का आंकड़ा आठ महीनों की 9,606 करोड़ रुपए की ऊंचाई पर पहुंच गया है। यह पिछले महीने के आंकड़े 4,924 करोड़ रुपये से 95 प्रतिशत ज्यादा है। मई में 1,000 रुपये से ज्यादा के चार आईपीओ आ चुके हैं। इसमें सबसे बड़ा आईपीओ आधार हाउसिंग फाइनेंस का था, जिसने करीब 3,000 करोड़ रुपये आईपीओ से जुटाए थे। गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस की ओर से 2,615 करोड़ रुपये और इंडीजीन द्वारा 1,842 करोड़ रुपये जुटाए गए हैं। वहीं टीबीके टेक 1,550 करोड़ रुपये की राशि के साथ मई 2024 का चौथा सबसे बड़ा आईपीओ था। मई में आए सभी आईपीओ में जुटाए गए फंड में 6,400 करोड़ रुपये ओएफएस के तहत और 3,404 करोड़ रुपये फ्रेश इश्यू के तहत जुटाए गए हैं। इस महीने आए सभी आईपीओ में सबसे ज्यादा 86.69 गुना सब्सक्रिप्शन टीबीओ टेक आईपीओ को मिला था। इसके बाद इंडीजीन आईपीओ 70.3 गुना, आधार हाउसिंग 26.76 गुना और गो डिजिट का आईपीओ 9.6 गुना सब्सक्राइब हुआ है।

व्हूप ने रोनाल्डो को बनाया अपना ब्रांड एम्बेस्डर

नई दिल्ली ।

भारतीय बाज़ार में स्मार्ट बैंड, स्मार्ट वॉच ने बहुत तेजी से जगह बना ली है, और लोग इसका इस्तेमाल भी कर रहे हैं। आजकल एक ऐसा डिवाइस खूब चर्चा में है जिसने अभी-अभी भारत में एंट्री की है। खास बात ये है कि इस बैंड का इस्तेमाल दिग्गज एथलीट विराट कोहली और क्रिस्टियानो रोनाल्डो भी करते हैं। यहां हम बात कर रहे हैं अमेरिकी कंपनी व्हूप के फिटनेस बैंक के बारे में।हाल में व्हूप ने रोनाल्डो को अपना ब्रांड एम्बेस्डर बनाया है। ये कंपनी फिटनेस बैंड बनाती है, और अब ये काफी चर्चा में है, क्योंकि इस कंपनी ने भारत में एंट्री कर ली है। कहा जाता है कि व्हूप सिर्फ आपके लिए फिटनेस ट्रैकर नहीं है। बल्कि ये एक ऐसा गैजेट है जो स्टेप्स काउंड, कैलोरी काउंट, करने के अलावा भी कई काम कर सकता है।इसके अलावा जरूरी चीज़ ये है कि ये यूजर के बॉडी के इंटरनल सिग्नल पर फोकस रखता है। यह आपके हार्ट रेट, स्लीप क्वालिटी और आपके बॉडी मैट्रिक्स पर भी लगातार नज़र रखता है। व्हूप की खास बात ये है कि ये सिर्फ आपके फिजिकल हेल्थ को ट्रैक नहीं करता है, बल्कि आपने कितनी मात्रा में शराब ली है।

ये महिलाओं के मासिक धर्म चक्र को भी ट्रैक करता है। बाकी फिटनेस ट्रैकर्स की तरह व्हूप फिटनेस बैंड आपको नोटिफिकेशन से परेशान नहीं करता है या वॉच फेस से आपका ध्यान नहीं भटकाता है। ये बैकग्राउंड में चुपके से आपका डेटा कलेक्ट करता है, और आपको अपनी परफॉर्मेंस पर फोकस रहने में मदद करता है। बता दें कि आज के समय में हर कोई फिटनेस को लेकर काफी अलर्ट रहना चाहता है। यही वजह है कि कंपनियां तेजी से स्मार्ट ट्रैकिंग डिवाइसेज बनाने पर काम कर रही हैं।

आरबीआई के घरेलू गोल्ड रिजर्व में बढ़ोतरी

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पास मार्च 2019 के आखिरी तक सोने का भंडार 612 टन था। वहीं 292 टन सोना घरेलू स्तर पर रखा गया था। आरबीआई के पास कुल 822 टन सोना था, आरबीआई ने 408 टन सोना देश के अंदर रखा हुआ है। सरप्लस फंड से आरबीआई सरकार को 2.1 लाख करोड़ रुपए देने की तैयारी में है। आरबीआई के घरेलू गोल्ड रिजर्व में बढ़ोतरी आई है। आरबीआई के 608वीं बैठक में अब तक का सबसे अधिक डिविडेंड पेआउट का निर्णय लिया गया। यह पिछले साल के मुकाबले दोगुने से भी ज्यादा है। पिछले वित्त वर्ष में आरबीआई ने 87,416 करोड़ रुपए का डिविडेंड पेआउट सरकार को दिया था। आरबीआई की तरफ से जारी आंकड़ों के अनुसार मार्च 2019 और मार्च 2024 के बीच भारत का घरेलू गोल्ड रिजर्व 40 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसके दौरान टोटल गोल्ड रिजर्व में 34 फीसदी की बढ़त आई है। इसी साल के अंत तक, आरबीआई के पास कुल 822 टन सोना था, जिसमें से 408 मीट्रिक टन सोना देश के अंदर रखा हुआ है। कुल सोने का भंडार मार्च 2019 के अंत तक 612 टन था, वहीं घरेलू स्तर पर 292 टन सोना रखा गया था।

शेयर बाजार रिकार्ड तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1197 , निफ्टी 369 अंक उछला

मुम्बई ।

घरेल शेयर बाजार गुरुवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी वित्तीय कंपनियों के शेयरों में आई बढ़त से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स आज 1.61 फीसदी करीब 1196.98 अंक ऊपर आकर 75,418.04 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 1.64 फीसदी तकरीबन 369.85 अंक ऊपर आकर अपने सबसे अधिक स्तर 22,967.65 अंक पर पहुंच गया। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में एलएंडटी का शेयर सबसे ज्यादा 3.64 फीसदी बढ़कर 3586.15 के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, एक्सिस बैंक, मारुति, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस, टीसीएस, स्टेट बैंक, इनफोसिस, विप्रो, एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा के शेयर लाभ के साथ ही ऊपरा आये। बाजार में आज लगातार छठें कारोबारी सत्र में तेजी आई। वहीं आरबीआई ने केंद्र सरकार को पिछले साल की अपेक्षा 2.11 लाख करोड़ रुपये का दोगुने से अधिक लाभांश दिया है जिससे भी बाजार को बल मिला है।

पिछले साल ये 82 लाख करोड़ था। इससे भी बाजार में सकारात्मक माहौल था। दूसरी ओर एशियाई बाजारों में जापान का निक्की ग्रीन निशान में बंद हुआ जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्डेक, चीन का शंघाई स्टॉक एक्सचेंज और हांगकांग का हेंग संग इंडेक्स गिरावट में बंद हुआ। इसके अलावा ज़्यादातर यूरोपीय बाज़ारों में सकारात्मक माहौल रहा। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को सपाट स्तर पर खुले। शुरुआती सौदों में बेंचमार्क एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 5 अंक बढ़कर 74,226 के स्तर पर पहुंच गया। दूसरी ओर निफ्टी50 4 अंक की तेजी के साथ 22,602 पर कारोबार कर रहा था। इस बीच व्यापक बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में 0.3 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। सेक्टरों में निफ्टी मेटल और फार्मा इंडेक्स एक-एक फीसदी कम रहे, जबकि निफ्टी रियल्टी और पीएसयू बैंक इंडेक्स में 1 फीसदी की बढ़ोतरी हुई।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने नोएडा में 650 आवास बेचे

नई दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने नोएडा के सेक्टर 146 में स्थित अपनी परियोजना गोदरेज जार्डिनिया में 2,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के करीब 650 घर बेचे हैं। परियोजना मई 2024 में ही पेश की गई थी। कंपनी ने कहा कि बिक्री मूल्य के मामले में यह गोदरेज प्रॉपर्टीज की नोएडा में अभी तक की सबसे सफल पेशकश है। गोदरेज प्रॉपर्टीज के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि नोएडा गोदरेज प्रॉपर्टीज के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण बाजार है। हम आने वाले वर्षों में शहर में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करने की कोशिश करेंगे। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर्स में से एक है। इसकी मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, पुणे और बेंगलुरु संपत्ति बाजारों में उपस्थिति है।

पेटीएम के कर्मचारियों की हो सकती है छंटनी

- आरबीआई की कार्यवाही से घाटे में कंपनी

नई दिल्ली ।

जब से आरबीआई ने इस पेटीएम कंपनी के खिलाफ सख्ती दिखाई है तब से कंपनी के कारोबार पर दबाव बढ़ गया है। पहले शेयरों में भारी गिरावट होने के बाद कंपनी का मार्केट कैप गिरा तो अब कंपनी को बिक्री घटने से नुकसान हुआ है। इस बीच खबर है कि अब कंपनी इस बुरे हालात से निपटने के लिए कर्मचारियों की संख्या में कटौती कर सकती है। एक न्यूज एजेंसी ने बताया कि पेटीएम ने सेल्स में पहली बार गिरावट के बाद संभावित रूप से नौकरियों में कटौती और गैर-प्रमुख संपत्तियों में कटौती की योजना का ऐलान किया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नियामक जांच और उसके बाद आए फैसले से कंपनी के संचालन पर काफी प्रभाव पड़ा है। फिनटेक कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस (पेटीएम) का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में घाटा बढ़कर 550 करोड़ रुपये हो गया। पिछले साल इसी अवधि में घाटा 167.5 करोड़ रुपये था। वन97 कम्युनिकेशंस के पास पेटीएम ब्रांड का स्वामित्व है। पेटीएम ने एक बयान में कहा कि हमारे वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही के परिणाम यूपीआई लेनदेन पर अस्थायी व्यवधान और पीपीबीएल प्रतिबंध के कारण स्थायी व्यवधान से प्रभावित हुए। पेटीएम ने 2,267 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज किया। आरबीआई ने 15 मार्च से व्यापारियों सहित ग्राहकों के हित को ध्यान में रखते हुए पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) को किसी भी ग्राहक खाते, वॉलेट और फास्टैग में जमा, क्रेडिट लेनदेन या टॉप-अप स्वीकार करने से रोक दिया था। कंपनी ने बताया कि तिमाही में कंपनी ने पीपीबीएल में 39 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए 227 करोड़ रुपये के निवेश को बट्टे खाते में डाल दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि पेटीएम को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। जनवरी में केंद्रीय बैंक के फैसले से पेटीएम की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। इसके बाद यह चिंता बढ़ने लगी कि ग्राहक फोनपे और गूगलपे जैसे प्रतिस्पर्धियों का ओर रुख कर सकते हैं। पेटीएम ने मार्च तिमाही के दौरान लगभग 40 लाख यूजर्स खो दिए।

ट्रेन का टिकट लेने के बाद भी यात्रियों को देना पड़ा 81 हजार जुर्माना!

नई दिल्ली । ट्रेन में यात्रा के दौरान यात्रियों को एक गलती भारी पड़ी। इन सभी को भारतीय रेलवे ने गिरफ्तार कर लिया। इनके पास टिकट था, लेकिन ये लोग स्टेशन में न उतरकर अपने-अपने गांव या घर के पास उतरना चाह रहे थे। इसके लिए चेन पुलिंग की थी। रेलवे ने इनसे भारी जुर्माना वसूला। उत तर मध य रेलवे के झांसी मंडल में 1 अप्रैल से 21 मई 2024 में बिना पर्याप्त कारण के अलार्म चेन खींचने वाले 336 मामले सामने आये, जिसमे 335 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया एवं रेलवे एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत इनसे 81575 रुपये जुर्माने वसूले गए। ये यात्री अपने घर या गांव के पास ट्रेन रुकवा कर उतरना चाहे थे। उचित कारण के बिना चेन पुलिंग करना अपराध है। भारतीय रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे बिना किसी पर्याप्त कारण के अलार्म चेन न खींचे। इससे यात्रियों को असुविधा होती है। ट्रेन समय से नहीं चल पाती है। इसके अलावा कई बार देखा गया है कि इस तरह चेन पुलिंग से विद्यार्थियों के एग्जाम छूट जाते हैं, बीमार लोगों को समय से इलाज नहीं मिल पता है। रेलवे एक्ट में बिना वजह से चेन पुलिंग के मामले में 6 महीने से 1 साल की सजा एवं 1000 रुपये जुर्माने का प्रावधान है।

टाटा समूह डिजनी से टाटा प्ले में खरीदेगी 30 फीसदी हिस्सेदारी

- टाटा प्ले की कीमत लगभग 1 बिलियन डॉलर लगाई गई

नई दिल्ली । वाल्ट डिज़नी कंपनी ने भारत में अपने टीवी चैनल के एक छोटे हिस्से को टाटा ग्रुप को बेचने का फैसला किया है। ऐसा करने से डिज़नी भारत में अपने बाकी बिजनेस को मुकेश अंबानी की मीडिया कंपनी के साथ विलय करने में फोकस कर पाएगी। इस डील में टाटा प्ले लिमिटेड की कीमत लगभग 1 बिलियन डॉलर लगाई गई है। सूत्रों के मुताबिक टाटा ग्रुप ने डिज्नी से 29.8 फीसदी हिस्सा खरीदने के बाद इस टीवी प्लेटफॉर्म का पूरा नियंत्रण ले लिया है। यह सौदा ऐसे समय में हुआ है जब भारत का मीडिया जगत बड़े बदलाव से गुजर रहा है। फरवरी के अंत में डिजनी ने एक बाइंडिंग एग्रीमेंट पर साइन किया था, जिसके तहत उसकी भारतीय इकाई का विलय वायकॉम 18 मौ डिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ किया जाएगा। इस तरह से वायकॉम 18 मी डिया 8.5 बिलियन डॉलर की एक मनोरंजन कंपनी बन जाएगी, जिसके 75 करोड़ दर्शक होंगे और यह दुनिया के इस घनी आबादी वाले देश में इस क्षेत्र में अपना दबदबा बनाएगी। टाटा प्ले की शुरुआत 2001 में टाटा ग्रुप और टीएफसीएफ कॉर्प के बीच एक ज्वाइंट वेंचर के रूप में हुई थी। यह कंपनी सेट-टॉप बॉक्स के जरिए टीवी दिखाने और अपने ऐप के जरिए ऑनलाइन स्ट्रीमिंग दोनों की सुविधा देती है। टाटा संस की वेबसाइट के अनुसार, पूरे भारत में इसके 2 करोड़ 30 लाख कनेक्शन हैं। टाटा प्ले ने 2022 में

गुप्त रूप से भारत में ही शेयर बाजार में उतरने के लिए आवेदन किया था, लेकिन अभी तक इसकी लिस्टिंग नहीं हुई है। सूत्रों के मुताबिक, इस साल की शुरुआत में टाटा ग्रुप ने टेमासेक होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड का हिस्सा खरीदकर टाटा प्ले में अपनी हिस्सेदारी को 70 फीसदी से थोड़ा ज्यादा कर लिया।

सोने और चांदी के भाव में गिरावट

- सोने का वायदा भाव 72,550, चांदी लगभग 91,300 रुपए

नई दिल्ली ।

देश के सराफा बाजारों में गुरुवार को सोने और चांदी के वायदा भाव में गिरावट देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव गुरुवार को गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 72,550 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 91,300 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में गिरावट देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 365 रुपये की गिरावट के साथ 72,681 रुपये के भाव पर खुलने के बाद 476 रुपये की गिरावट के साथ 72,570 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 173 रुपये की गिरावट के साथ 92,840 रुपये पर खुलने के बाद 1,703 रुपये की गिरावट के साथ 91,310 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,383 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,392.90 डॉलर प्रति औंस था। जो इस समय 19.70 डॉलर की गिरावट के साथ 2,373.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.01 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 31.49 डॉलर था। फिलहाल यह 0.79 डॉलर की गिरावट के साथ 30.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

गेल मध्य प्रदेश में लगाएगी प्लास्टिक कारखाना

- 50 हजार करोड़ रुपये का करेगी निवेश

नई दिल्ली । सरकारी गैस कंपनी गेल (इंडिया) ने कहा है कि वह मध्य प्रदेश के सीहोर में एक बड़ा कारखाना लगाने की योजना बना रही है। इस कारखाने में सालाना 1.5 मिलियन टन इथेन को क्रैक करके एथिलीन बनाया जाएगा, जिसका उपयोग प्लास्टिक, गोंद, रबर और दूसरी चीजें बनाने में होता है। इस कारखाने पर कंपनी लगभग 50,000 करोड़ रुपये खर्च करेगी। यह गैस कंपनी द्वारा किया गया अब तक का सबसे बड़ा निवेश है। भारत में प्लास्टिक आदि की मांग लगातार बढ़ रही है और 2040 तक तीन गुना होने का अनुमान है। इसी मांग को पूरा करने के लिए यह कारखाना लगाया जा रहा है। अभी भारत में सिर्फ रिलायंस इंडस्ट्रीज ही विदेशों से इथेन का आयात करती है, वो भी अपने गुजरात और महाराष्ट्र के कारखानों के लिए। ये हर साल करीब 1.5 मिलियन टन इथेन मंगवाती है। इसी राह पर चलते हुए, सरकारी गैस कंपनी गेल मध्य प्रदेश में एक विशाल इथेन क्रैकिंग यूनिट लगा रही है। ये यूनिट सालाना 1.5 मिलियन टन इथेन को प्रोसेस कर प्लास्टिक बनाने में इस्तेमाल होने वाला एथिलीन तैयार करेगी। गौरतलब है कि ये नया कारखाना गेल के उत्तर प्रदेश वाले पुराने कारखाने से दोगुना बड़ा होगा और इसे बनने में 5-6 साल का समय लगने का अनुमान है। उल्लेखनीय है कि भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन भी मध्य प्रदेश में ही एक ऐसा ही कारखाना लगाने जा रही है, जहां वो इथेन का उपयोग करेगी। गेल कंपनी ने विजयपुर से औरैया तक लगभग 1,792 करोड़ रुपये की लागत से एक नई पाइपलाइन बनाने की योजना को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना को 32 महीनों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। यह पाइपलाइन कंपनी के पाता पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स में कच्चे माल की उपलब्धता बढ़ाने, प्लास्टिक उत्पादन को बढ़ाने और साथ ही साथ ऊर्जा की खपत और कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मददगार होगी।

मेड इन इंडिया स्मार्टफोन का निर्यात 42 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली ।

भारत में बने स्मार्टफोन दुनिया में काफी पसंद किए जा रहे हैं। यही वजह है कि वित्त वर्ष 2024 में सालाना आधार पर भारतीय स्मार्टफोन का निर्यात 42 फीसदी बढ़कर 15.6 अरब डॉलर पर पहुंच गया। अप्रैल, 2022 से भारत ने स्मार्टफोन निर्यात के आंकड़ों का अलग से संग्रहण करना शुरू किया था। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार भारत ने वित्त वर्ष 2024 में स्मार्टफोन का सबसे ज्यादा निर्यात अमेरिका, अरब यूनाइटेड अरब अमीरात, नीदरलैंड्स और इंग्लैंड को किया। अमेरिका को किए जाने वाले निर्यात में तो 158 फीसदी का उछाल आया और कुल 5.6 अरब डॉलर मूल्य के स्मार्टफोन भारत से अमेरिका भेजे गए। सैल्यूलर एंड इलेक्ट्रोनिक्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया का कहना है कि भारत में वित्त वर्ष 2024 में कुल 4.1 लाख करोड़ रुपये मूल्य के मोबाइल डिवासेज का उत्पादन किया गया। सालाना

आधार पर उत्पादन में 17 फीसदी का उछाल आया है।

आईपीएल के दूसरे क्वालीफायर में आज होगा सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स में मुकाबला

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल के दूसरे क्वालीफायर में शुक्रवार को सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुकाबला होगा। इस मुकाबले में जीत के साथ ही फाइनल में जगह बनाने के लिए दोनो ही टीम अपना पूरा जोर लगा देंगी। ऐसे में ये मुकाबला रोमांचक होना तय है। इस मैच में दोनो ही टीम बराबरी की दावेदार मानी जा रही हैं। राजस्थान ने पहले एलीमिनेटर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर को हराकर दूसरे क्वालीफायर में जगह बनायी हैं। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज लय में हैं जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। वहीं सनराइजर्स की टीम को पहले क्वालीफायर में कोलकाता नाइट राइडर्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में वह दबाव में होगी। पहले क्वालीफायर में उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाज ट्रेविड हेड और अभिषेक शर्मा असफल रहे थे और केवल हेनरिक क्लासेन ही टिक पाये थे। ऐसे में अब इस मैच में हेड और अभिषेक को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। सनराइजर्स के बल्लेबाजों को राजस्थान के स्पिनरों युजवेंद्र चहल और रविचंद्रन अश्विन से कड़ी टक्कर मिलेगी। ये दोनो ही स्पिनर अभी अच्छी लय में हैं।

हेड और अभिषेक की सलामी जोड़ी ने इस सत्र में तूफानी शुरुआत करते हुए 199.62 के स्ट्राइक रेट से 533 रन बनाए हैं। दोनों ने मिलकर अब तक 72 छक्के और 96 चौके मारे हैं। इसके अलावा सनराइजर्स के पास हेनरिक क्लासेन के रूप में एक बेहतरीन बल्लेबाज है जिसने अब तक 34 छक्के लगाये हैं। सनराइजर्स के बल्लेबाजों का ध्यान रखना होगा कि चेपक में खेलना आसान नहीं है। यहां गेंद रुककर आती है और आते ही बड़े शॉट खेलना आसान नहीं होता। अपना अधिकतर क्रिकेट इसी मैदान पर खेलने वाले रॉयल्स के ऑफ स्पिनर अश्विन यहां की पिच को अच्छी तरह से समझते हैं और ऐसे में उनके खिलाफ रन बनाना विरोधी टीम के लिए बेहद कठिन होगा।

राजस्थान का लक्ष्य किसी प्रकार हेड, अभिषेक और क्लासेन को जल्दी से आउट करना रहेगा। जहां तक सनराइजर्स की गेंदबाजी की बात है तो इसकी जिम्मेदारी टी नटराजन पर होगी जो इस सत्र में टीम के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं और यहां अपने घरेलू मैदान पर खेलते हुए हालातों का फायदा उठाना

चाहेंगे। इसके अलावा तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार और कप्तान पैट कमिंस की अनुभवी जोड़ी भी यहां कमाल करना चाहेगी। क्योंकि पिछले दो मैचों में भुवनेश्वर कुमार ने कोई विकेट नहीं लिया है। सनराइजर्स को इस मैच में अच्छे स्पिनर की कमी खलेगी।

उसके स्पिनर मयंक मार्कंडेय बहुत अधिक प्रभावी नहीं हैं जबकि शाहबाज अहमद भी सामान्य स्पिन गेंदबाजी करते हैं। राजस्थान के पास बल्लेबाजी में कप्तान संजू सैमसन के अलावा यशस्वी जायसवाल और रियान पराग जैसे बल्लेबाज हैं। यशस्वी ने पहले एलीमिनेटर मुकाबले में शानदार बल्लेबाजी की थी। सैमसन को बेहतर प्रदर्शन करना होगा क्योंकि वह पिछले तीन मुकाबलों में 20 रन से आगे नहीं पहुंचे हैं। मध्य क्रम में ध्रुव जुरेल अपने पिछले दो मैचों में रन नहीं बना पाये हैं। इसके अलाव शिमरोन हेटमायर और रोवमैन पॉवेल भी टीम के लिए आक्रामक बल्लेबाजी करने में सक्षम हैं।

टीम

सनराइजर्स हैदराबाद- पैट कमिंस (कप्तान) अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड, हेनरिक क्लासेन, एडेन मार्कराम, अब्दुल समद, नितीश रेड्डी, शाहबाज अहमद, , भुवनेश्वर कुमार, जयदेव उनादकट, टी नटराजन, मयंक मारकंडे, उमरान मलिक, अनमोलप्रीत सिंह, ग्लेन फिलिप्स, राहुल त्रिपाठी, वाशिंगटन सुंदर, उपेंद्र यादव, जे सुब्रमण्यन, सनवीर सिंह, विजयकांत व्यासकांत, फजलहक फारूकी, मार्को येनसन, आकाश महाराज सिंह और मयंक अग्रवाल।

राजस्थान रॉयल्स- संजू सैमसन (कप्तान), आबिद मुश्ताक, आवेश खान, ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, कुलदीप सेन, कुणाल सिंह राठौर, नांद्रे बर्गर, नवदीप सैनी, रविचंद्रन अश्विन, रियान पराग, संदीप शर्मा, शिमरोन हेटमायर, शुभम दुबे, रोवमैन पॉवेल, टॉम कोहलर-कैडमोर, ट्रेंट बोल्ट, यशस्वी जायसवाल, युजवेंद्र चहल और तनुश कोटियन।

सीएसके सीईओ का ईशारा- उम्मीद है कि धोनी अगले साल खेलेंगे

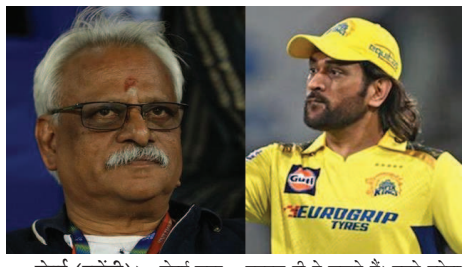

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कासी विश्वनाथन ने कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी इंडियन प्रीमियर लीग में बतौर खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। सीएसके की अगुआई करते हुए 5 रिकॉर्ड आईपीएल खिताब दिलाने वाले धोनी ने इस सत्र के शुरू होने से एक दिन पहले कप्तानी से हटने का फैसला किया और यह जिम्मेदारी रूतुराज गायकवाड़ को सौंप दी थी। सीएसके इस सत्र में 5वें स्थान पर रहीं।

अटकलें लगाई जा रही हैं कि यह धोनी का टूर्नामेंट में अंतिम सत्र हो सकता है लेकिन विश्वनाथन ने माना कि अपने भविष्य पर अंतिम फैसला करना पूरी तरह से पूर्व भारतीय कप्तान धोनी पर निर्भर है। विश्वनाथन ने सीएसके के यूट्यूब चैनल पर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि मुझे नहीं पता। यह ऐसा सवाल है जिसका जवाब सिर्फ एमएस ही दे सकते हैं। हमने हमेशा एमएस के फैसले का सम्मान किया है। हमने यह उस पर छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि जैसा कि आप सब जानते हो, उसने हमेशा अपने फैसले लिये हैं और उचित समय पर इनकी घोषणा की है। हमें उम्मीद है कि जब वह फैसला करेगा, तभी हमें इसकी जानकारी होगी। विश्वनाथन ने कहा कि हमें पूरी उम्मीद है कि वह अगले साल सीएसके लिए उपलब्ध होंगे। यह प्रशंसकों और मेरे विचार और उम्मीदें हैं। धोनी ने पिछले साल घुटने के उपचार के लिए सर्जरी कराई थी, उन्होंने इस सत्र में 73 गेंद में 161 रन बनाये और स्टंप के पीछे भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा। आईपीएल की मेगा नीलामी साल के अंत में होगी और अगर धोनी बरकरार रहते हैं तो इसमें कोई शक नहीं कि सीएसके उन्हें रिटेन रखेगा।

हार से टूटे कार्तिक को विराट ने संभाला

इस्लामाबाद (एजेंसी)। बेंगलुरु (ईएमएस)। आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की हार के साथ ही उसके अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक बेहद निराश नजर आये। माना जा रहा है कि 38 साल के कार्तिक का ये अंतिम आईपीएल मैच था। इस सत्र में लगातार छह जीत के साथ आरसीबी प्लेऑफ में पहुंची थी पर एलिमिनेटर में राजस्थान रॉयल्स से हार के बाद उसका खिताब का सपना फिर टूट गया। वहीं कार्तिक का आईपीएल करियर भी समाप्त हो गया।

इस मैच में टीम की हार के बाद कार्तिक ने अपने दस्ताने उतारे और प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया जो पूरे सत्र में उनके योगदान के लिए सराहना करने के लिए खड़े थे। इस दौरान वह वह अपनी भावनाओं पर नियंत्रण का प्रयास करते दिखे। वहीं पूर्व कप्तान विराट कोहली ने उन्हें गले लगा लिया।, कार्तिक ने अभी तक आईपीएल से अपने संन्यास की आधिकारिक घोषणा नहीं की है पर जिस प्रकार के उन्होंने संकेत दिए उससे साफ है कि ये उनका अंतिम सत्र था।

ड्रेसिंग रूम की ओर वापस जाते समय कार्तिक को आरसीबी के खिलाड़ियों ने गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया। वह आरसीबी के लिए एक अहम खिलाड़ी थे। उन्होंने डेथ ओवर्स में गजब की बल्लेबाजी की। अंतिम मैचों में उनके प्रभावशाली प्रदर्शन के कारण टीम को प्लेऑफ में जगह मिली। अगर यह सत्र कार्तिक का अंतिम सीजन साबित होता है तो वह 257 मैचों में 4,842 रन बनाकर अपने आईपीएल करियर का समापन करेंगे, जिसमें 22 अर्धशतक शामिल हैं। अपने 17 साल के शानदार आईपीएल करियर में कार्तिक ने छह फ्रेंचाइजी के लिए खेला है। इसमें दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स) पंजाब किंग्स मुंबई इंडियंस, गुजरात लायंस, कोलकाता नाइटराइडर्स और आरसीबी शामिल हैं।

दिनेश कार्तिक ने आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। महेंद्र सिंह धोनी के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक का अंतरराष्ट्रीय करियर भले ही परवान नहीं चढ़ा हो लेकिन उन्होंने अपने प्रदर्शन से इस खेल के प्रशंसकों के दिलों पर राज किया। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का प्रतिनिधित्व करने वाले कार्तिक ने बुधवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ एलिमिनेटर मैच में हार के बाद अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल करियर को अलविदा कह दिया।

आईपीएल ऐसा मंच है जहां कार्तिक की मांग कभी कम नहीं हुई। अपने 20 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में कई बार टीम से अंदर-बाहर होने वाले कार्तिक ने भारत के लिए 26 टेस्ट, 94 एकदिवसीय और 60 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। पिछले कुछ समय से कमेंटेटर की भूमिका निभाने वाले कार्तिक ने 38 साल की उम्र में भी विकेट के पीछे अपनी फिटनेस और बल्ले से चतुराई भरे शॉट खेल कर खुद को आज के दौर में भी प्रासंगिक बनाये रखा।

आईपीएल के इस सत्र में बल्ले से दमखम दिखाने के बाद कार्तिक ने खुद को राष्ट्रीय टीम के लिए उपलब्ध

करार दिया था लेकिन भारतीय चयनकर्ताओं ने युवा प्रतिभा को मौका देने का मन बना लिया था। कार्तिक ने इस साल फरवरी मार्च में भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट श्रृंखला के दौरान संन्यास लेने का मन बना लिया था लेकिन उनकी योजना के बारे में दुनिया को तब पता चला जब इंग्लैंड के माइकल एथरटन ने एक पॉडकास्ट में गलती से इसका खुलासा कर दिया।

कार्तिक 2008 में आईपीएल शुरू होने के बाद से इसका अहम हिस्सा रहे हैं। उन्होंने इसके 17 सत्र में छह टीमों का प्रतिनिधित्व किया और 5000 से ज्यादा रन बनाये है। विकेट के पीछे भी उन्होंने 145 कैच लपकने के साथ 37 स्टंपिंग किये हैं। वह 2013 में आईपीएल चैम्पियन बनने वाली टीम मुंबई इंडियंस का हिस्सा थे। उन्होंने इस दौरान कई क्रम पर बल्लेबाजी की लेकिन आरसीबी के साथ पिछले तीन साल से फिनिशर की भूमिका में प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

बड़े शॉट खेलने वाले बल्लेबाजों के बीच में कार्तिक ने अपनी चतुराई से गेंद को दो क्षेत्ररक्षकों के बीच से निकाल कर बाउंड्री लगाना जारी रखा। उन्होंने 2022 आईपीएल सत्र में 183 के स्ट्राइक रेट से 330 रन बनाकर टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में वापसी की लेकिन यह राष्ट्रीय टीम के साथ उनका आखिरी टूर्नामेंट साबित हुआ। तमिलनाडु के इस खिलाड़ी ने महज 19 साल की उम्र में भारतीय टीम के लिए एकदिवसीय में पदार्पण किया था। उन्होंने इस मैच में इंग्लैंड के तत्कालीन कप्तान माइकल वॉन को शानदार तरीके से स्टंप कर इस मैच को हमेशा के लिए यादगार बना दिया था।

टी20 विश्व कप के लिए रिचर्ड्स को पाक टीम का मेंटर बनाना चाहते हैं नकवी

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के नये अध्यक्ष मोहसिन नकवी आगामी टी20 विश्व कप को देखते हुए किसी दिग्गज को टीम से जोड़ना चाहते है। इसी के तहत उनका लक्ष्य वेस्टइंडीज के महान क्रिकेटर विव रिचर्ड्स को राष्ट्रीय टीम का मेंटर बनाना है। रिचर्ड्स साल 2016 से ही पाकिस्तान सुपर लीग में ग्लेडियेटर्स के मेंटोर रहे हैं। नकवी का ये भी मानना है कि सुपर आठ चरण के अधिकांश मैच कैरेबियाई देशों में होने हैं और ऐसे में रिचर्ड्स की सलाह अहम रहेगी क्योंकि उन्हें सभी मैदानों ओर हालतों की पूरी जानकारी है। पीसीबी की ओर से एक अधिकारी ने कहा, 'रिचर्ड्स के पास विश्व कप के लिए पहले से ही कुछ मीडिया प्रतिबद्धताएं हैं पर इसके बाद भी वह हमारे सलाहकार बन सकते हैं। इसका कारण है कि पाक खिलाड़ी उनका बेहद सम्मान करते हैं। साथ ही कहा कि अगर हमारा करार हो जाता है तो रिचर्ड्स विश्व कप के लिए टीम मेंटर होंगे। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन 2021 और 2022 के विश्वकप में टीम मेंटर रहे थे। तब पाक टीम सेमीफाइनल और फाइनल में पहुंची थी।

मैंने भारतीय टीम के कोच का प्रस्ताव ठुकराया : पोंटिंग

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि उन्हें भारतीय क्रिकेट टीम का मुख्य कोच बनने का प्रस्ताव मिला था पर उन्होंने स्वीकार नहीं किया। पोंटिंग ने कहा कि उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि वह अभी इतना लंबा समय नहीं दे सकते। राष्ट्रीय टीम का कोच बनने का मतलब है साल में अधिकतर समय घर से बाहर रहना जबकि अभी वह परिवार के साथ समय बिताना चाहते हैं। पोंटिंग पिछले सात सत्र से दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच हैं। वह ऑस्ट्रेलियाई टी20 टीम के अंतरिम कोच भी रहे हैं। पोंटिंग ने कहा, 'आईपीएल के दौरान भारतीय क्रिकेट बोर्ड की ओर से उनसे संपर्क किया गया था पर उन्होंने इंकार कर दिया। साथ ही कहा कि अभी मेरे जीवन में अन्य चीजें हैं और मैं घर पर कुछ समय बिताना चाहता हूं। हर कोई जानता है कि अगर आप भारतीय टीम के साथ काम करोगे तो आप आईपीएल टीम में भी शामिल नहीं हो सकते। इसके अलावा राष्ट्रीय मुख्य कोच साल में 10 या 11 महीने की नौकरी है इसलिए मैं अभी इसे नहीं करना चाहता हूं, यह अभी मेरी जीवनशैली और उन चीजों में फिट नहीं बैठती है जिन्हें मैं वास्तव में करना पसंद करता हूं.' पोंटिंग ने कहा कि उन्होंने अपने बेटे के साथ इस प्रस्ताव पर चर्चा की और वह भारत आने के लिए तैयार लग रहा था। उन्होंने कहा, 'मेरे परिवार और मेरे बच्चों ने पिछले पांच सप्ताह आईपीएल में मेरे साथ बिताए हैं और वे हर साल यहां आते हैं और मैंने अपने बेटे को इसके बारे में बताया। मैंने कहा, 'पापा को भारतीय कोच की नौकरी की पेशकश की गई है' और उसने कहा, 'बस इसे स्वीकार कर लीजिए पापा, हम अगले कुछ वर्षों के लिए वहां जाना पसंद करेंगे। वे वहां रहना और भारत में क्रिकेट की संस्कृति को कितना पसंद करते हैं पर अभी यह शायद मेरी जीवनशैली में पूरी तरह से फिट नहीं बैठता।

एफआईएच प्रो लीग : भारतीय पुरुष टीम ने अर्जेंटीना को शूटआउट में 5-4 से हराया

एंटवर्प (बेल्जियम) (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम बुधवार को यहां एफआईएच प्रो लीग मैच में निर्धारित समय में 2-2 से बराबरी पर रहने के बाद शूटआउट में अर्जेंटीना को 5-4 से हराने में सफल रही। भारत के लिए मनदीप सिंह (11वें मिनट) और ललित कुमार उपाध्याय ने मैदानी गोल दागे जबकि अर्जेंटीना की ओर से लुकास मार्टिनेज (20वें) और टॉमस डोमेने (60वें) ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किये। शूटआउट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह और सुखजीत सिंह ने 2-2 गोल जबकि अभिषेक ने एक गोल किया। पहले हाफ में भारत और अर्जेंटीना के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला।

दुनिया की छठे नंबर की भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर में दबदबा बनाया लेकिन उससे एक पायदान निचली रैंकिंग वाली अर्जेंटीना ने अगले 15 मिनट में बेहतर खेल दिखाया। भारतीयों ने सकारात्मक शुरुआत की और संजय ने 5वें मिनट में पहला शॉट लगाया, लेकिन अर्जेंटीना के गोलकीपर टॉमस सैंटियागो काफी सतर्क थे और उन्होंने

'रिवर्स हिट% का अच्छा बचाव किया। भारत को हालांकि गोल के लिए ज्यादा देर तक इतंजार नहीं करना पड़ा। छह मिनट बाद मनदीप ने राजकुमार पाल की मदद से मैदानी गोल दाग दिया।

पहले क्वार्टर से अर्जेंटीना के खिलाड़ी गोल करने के करीब पहुंचे लेकिन भारत की बढ़त बरकरार रही। भारत के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने अनुभवी पीआर श्रीजेश को गोलकीपिंग की जिम्मेदारी देना जारी रखा जिससे संकेत मिलता है कि पेरिस ओलंपिक टीम में एकमात्र गोलकीपर के स्थान पर उन्हें प्राथमिकता मिलेगी। दूसरे क्वार्टर में अर्जेंटीना ने भारतीय डिफेंस पर दबाव बनाना शुरू कर दिया और उसने तेजी से तीन पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। तीसरे पेनल्टी कॉर्नर पर लुकास मार्टिनेज ने रिबाउंड पर गोल कर दिया जबकि श्रीजेश ने निकोलस डेला टोरे के शॉट का शानदार बचाव किया था।

दूसरे क्वार्टर के अंतिम पांच मिनट में भारतीयों ने लगातार तीन पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए लेकिन कप्तान हरमनप्रीत इन्हें गोल में नहीं बदल सके। दूसरे हाफ में दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर थी। अर्जेंटीना ने सर्कल में सेंध लगाने के प्रयास किये लेकिन गोल नहीं कर सके। तीसरे क्वार्टर से कुछ सेकंड पहले भारत को अभिषेक की मदद से एक शानदार मौका मिला था लेकिन उनका शॉट गोल से बाहर चला गया। फिर भारत ने ललित की बदौलत दूसरा गोल दागा जिन्होंने जरमनप्रीत सिंह के पास को नेट में पहुंचाया।

एक गोल से पिछड़ने के बाद अर्जेंटीना की हताशा बढ़ गयी और उसने दूसरे गोल की कोशिश में अपने गोलकीपर की जगह एक खिलाड़ी बुला लिया। उनकी यह रणनीति कारगर रही और भारतीय डिफेंस को दबाव में लाते हुए डोमेने गोल करने में कामयाब रहे जिससे स्कोर 2-2 हो गया और फैसला शूटआउट से हुआ। भारतीय पुरुष टीम प्रो लीग के यूरोपीय चरण में शुक्रवार को मेजबान बेल्जियम से भिड़ेगी।

20 विश्वकप के लिए अफगानिस्तान टीम के गेंदबाजों को टिप्स देंगे ब्रावो

काबुल । अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने अगले माह होने वाले टी-20 विश्वकप को देखते हुए वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो को टीम का गेंदबाजी सलाहकार बनाया है। अफगानिस्तान टीम विश्वकप की तैयारियों के लिए 10 दिन के एक प्रशिक्षण शिविर में भाग लेगी। इसी में ब्रावो टीम को गेंदबाजी की बारीकियों सिखाएंगे। ब्रावो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद दुनियाभर की टी20 लीग में खेलते रहे हैं। इस वर्ष की शुरुआत में उन्होंने आईएल टी-20 में खेला था। जहां वह चैंपियन रही एमआई एमिरेट्स का हिस्सा थे। उनके नाम 573 मैचों में 600 से अधिक विकेट हैं। वह टी-20 क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं। ब्रावो आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाजी कोच भी हैं। 2022 में आईपीएल से संन्यास लेने के बाद से ही वह गेंदबाजी कोच के तौर पर काम कर रहे हैं। अफगानिस्तान की टीम को विश्वकप में अपना पहला अभ्यास मैच 29 मई को ओमान के साथ खेलेगी। इसके बाद टीम 31 मई को स्कॉटलैंड से खेलेगी।वहीं पहला मैच पांच जून को युगांडा के खिलाफ खेलना है। विश्वकप में अफगानिस्तान की टीम को वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड, पापुआ न्यू गिनी और यूगांडा के साथ ग्रुप सी में रखा गया है।

पूर्व सीएसके स्टार अंबाती रायुडू ने उड़ाया आरसीबी का मजाक, इंटरनेट पर धूम मचा रही इंस्टाग्राम पोस्ट

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) इंडियन प्रीमियर लीग 2024 से बाहर होने के बाद एक पोस्ट सोशल मीडिया पर साझा किया जो सोशल मीडिया पर धूम मचा रहा है। फ्रैंचाइजी और टीमों के प्रशंसकों के बीच लड़ाई देखना आम बात है, लेकिन अक्सर ऐसा नहीं होता कि कोई क्रिकेटर इंटरनेट पर इस तरह की लड़ाई में भाग लेते हुए दिखे। यह आरसीबी ही थी जिसने इस अभियान में सीएसके को आईपीएल 2024 से बाहर कर दिया जिससे रायुडू परेशान हो गए। लेकिन राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हार के बाद ऐसा लग रहा था कि पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने बेंगलुरु की टीम के प्रतियोगिता से बाहर होने का आनंद लिया। इंस्टाग्राम पर रायुडू ने आरसीबी का मजाक उड़ाते हुए एक पोस्ट शेयर की जिसका कैप्शन था, 'कभी-कभी एक सौम्य अनुस्मारक की आवश्यकता होती है।' वीडियो पोस्ट में कई सीएसके खिलाड़ियों को 5 का इशारा करते हुए देखा जा सकता है जो इस बात का संकेत देता है कि उन्होंने कितनी बार आईपीएल जीता है। इससे पहले रायुडू ने भी कहा था, 'अगर आप आरसीबी की बात करें तो यह दर्शाता है कि सिर्फ जुनून और जश्न से ही आप ट्रॉफी नहीं जीत सकते। सिर्फ प्लेऑफ में पहुंचने से आपको आईपीएल ट्रॉफी नहीं मिलती। ऐसा मत सोचिए कि सिर्फ सीएसके को हराकर आप ट्रॉफी जीत लेंगे।' रॉयल्य बनाम आरीसीबी मैच की बात करें तो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का चौथी बार फाइनल में पहुंचने का सपना आखिरकार टूट गया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले गए एलिमिनेटर मुकाबले में उनकी टीम को 4 विकेट से हार मिली। आरसीबी ने बीते दिनों चेन्नई सुपर किंग्स को अहम मुकाबले में हराकर प्लेऑफ में जगह बनाई थी। आरसीबी के लिए प्लेऑफ में जगह बनाना इसलिए भी खास था क्योंकि उन्होंने पहले लगातार छह मुकाबले गंवाए थे और उसके बाद लगातार छह मुकाबले जीतकर आगे बढ़े थे। लेकिन आरसीबी की जीत की लय आखिरकार राजस्थान रॉयल्स ने तोड़ दी। राजस्थान ने टॉस जीतकर आरसीबी को बल्लेबाजी दी थी। आरसीबी ने विराट कोहली के 33, रजत पाटीदार के 34 और लोमरोर के 32 रनों की बदौलत 172 रन बनाए। जवाब में खेलने उतरी राजस्थान को जायसवाल के बाद रियान पराग का सहयोग मिला। अंत में शिमरोन हेटमायर ने बड़े शॉट लगाकर अपनी टीम को 4 विकेट से जीत दिला दी।

टी20 विश्व कप में अहम भूमिका निभाएंगे हार्दिक : युवराज

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह ने खराब फार्म के कारण आलोचनाएं झेल रहे ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या का बचाव करते हुए कहा है कि वह आईसीसी टी20 विश्व कप में अहम भूमिका निभाएंगे। युवराज ने कहा कि टूर्नामेंट में भारतीय टीम के लिए पांड्या की फिटनेस और गेंदबाजी अहम रहेगी। टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम की कप्तानी रोहित शर्मा करेंगे जबकि पांड्या उपकप्तान रहेंगे। पांड्या का प्रदर्शन आईपीएल में अच्छा नहीं रहा था जिससे उन्हें उपकप्तानी दिये जाने पर भी सवाल उठे थे। युवराज ने कहा, अच्छी बात यह है कि चयन हो गया है। इसमें खिलाड़ियों के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रदर्शन को महत्व दिया जाता है। इसके बाद ही आईपीएल फॉर्म को देखा जाता है। केवल आईपीएल फॉर्म से ही काम नहीं बनता है।

मलेशिया मास्टर्स: कड़े मुकाबले में सिम यू जिन को हराकर सिंधू क्वार्टर फाइनल में पहुंची

कुआलालंपुर (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने गुरुवार को यहां कड़े मुकाबले में कोरिया की सिम यू जिन को तीन गेम में हराकर मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पूर्व विश्व चैंपियन और दुनिया की 15वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू ने कोरिया की दुनिया की 34वें नंबर की खिलाड़ी यू जिन को महिला एकल के दूसरे दौर के मुकाबले में 59 मिनट में 21-13 12-21 21-14 से हराया। यू जिन के खिलाफ सिंधू की यह तीसरी जीत है।

पिछले साल अक्टूबर में लगी घुटने की चोट से उबरने के बाद वापसी करते हुए हैदराबाद की 28 साल की सिंधू शीर्ष फॉर्म हासिल करने में नाकाम रही है। पांचवीं वरीय सिंधू अगले दौर में शीर्ष वरीय हेन युई से भिड़ेंगी। चीन की इस खिलाड़ी ने पिछले महीने निंग्बो में एशिया बैडमिंटन चैंपियनशिप में सिंधू को हराया था। पिछला खिताब 2022 में सिंगापुर ओपन में जीतने वाली सिंधू का दुनिया की छठे नंबर की खिलाड़ी के खिलाफ रिकॉर्ड अच्छा है। भारतीय खिलाड़ी ने हेन युई के खिलाफ छह में से पांच मुकाबले जीते हैं।

सिंधू ने मुकाबले में धीमी शुरुआत की और पहले गेम में 3-7 से पिछड़ गईं। भारतीय खिलाड़ी हालांकि वापसी करते हुए ब्रेक तक 11-10 की बढ़त बनाने में सफल रही और फिर लगातार सात अंक के साथ पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। यू जिन ने ब्रेक तक 11-10 की बढ़त बनाई और खेल दोबारा शुरू होने पर 14-10 से आगे हो गईं।

कोरिया की खिलाड़ी ने अगले नौ में से सात अंक जीतकर मुकाबले को तीसरे और निर्णायक गेम में खींचा। निर्णायक गेम में यू जिन ने एक बार फिर अच्छी शुरुआत करते हुए 5-1 की बढ़त बनाई। सिंधू ने स्कोर 6-6 किया और फिर 13-9 की बढ़त बनाई। उन्होंने 16-14 के स्कोर पर लगातार पांच अंक के साथ गेम और मैच अपने नाम किया। अन्य मुकाबलों में मिश्रित युगल में बी सुमित रेड्डी और एन सिक्की रेड्डी को चेन टैंग जेइ और टोह ई वेई की मलेशिया की शीर्ष वरीय जोड़ी के खिलाफ 9-21 15-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी जबकि सिमरन सिंघी और रितिका ठाकर को पियर्ली टेन और थिनाह मुरलीधरन की मलेशिया की दूसरी वरीय जोड़ी के खिलाफ महिला युगल में 17-21 11-21 से हार का सामना करना पड़ा।

न्यू सिविल अस्पताल के मनोरोग विभाग में आज सिजोफ्रेनिया जागरूकता के लिए विशेष शिविर लगेगा

सूरत।

24 मई, 1793, वह दिन जब एक फ्रांसीसी चिकित्सक फिलिप पिनेल ने अपनी जिम्मेदारी पर उन मानसिक रोगियों को रिहा करने का आदेश दिया, जो वर्षों से मानसिक अस्पतालों में जंजीरों से बंधे हुए थे। मानसिक रूप से बीमार लोगों के इलाज के लिए यह एक बहुत ही मानवीय कदम था। हालाँकि, इसके बाद भी मानसिक रोगियों को मानसिक अस्पतालों में रखा जाता था। 1970-80 तक, 1952 में क्लोरप्रोमेजनि नामक पहली मनोविकाररोधी दवा की खोज ने इन रोगियों को मानसिक अस्पतालों से मुक्त कर दिया।

पिछले कुछ वर्षों में सिज़ोफ्रेनिया एक गंभीर और लंबे समय तक चलने वाली बीमारी बन गई है। यह रोग अचानक या धीरे-धीरे बढ़ते हुए व्यक्ति के दिमाग को इस कदर जकड़ लेता है कि उसे खुद ही इसका होश नहीं रहता। वह अपनी निजी दुनिया के भ्रम में, मन को झकझोर देने वाले विचारों में झूठी आधारहीन अवधारणाएँ रखता है कि उसके आस-पास के लोगों को केवल कुछ समय बाद ही एहसास होता है कि कुछ अजीब और अजीब व्यवहार हो रहा है जब उसकी वाणी और व्यवहार बदल जाता है। पहले अज्ञानता और फिर अंधविश्वास इस मानसिक रोगी को अस्पताल या मनोवैज्ञानिक तक पहुंचाने में दिन नहीं बल्कि साल लग जाते हैं। और तब तक बीमारी इतनी बढ़ चुकी होती है कि मस्तिष्क क्षति को उलटना लगभग असंभव होता है।

सिज़ोफ्रेनिया एक बीमारी है जो मस्तिष्क के रसायनों के असंतुलन और मस्तिष्क में न्यूरॉन्स के बीच संचार में खराबी के कारण होती है। शरीर से स्वस्थ व्यक्ति काम नहीं करता, अपना ख्याल नहीं रखता, शक्की होता है, गुस्सा करता है या लड़ता है, अकेले में बड़बड़ाता है या हंसता है, अपना ख्याल नहीं रखता, घूमता रहता है, कूड़ा बीनता है और ऐसे कई लक्षण दिखाई देते हैं। वर्षों तक रहने वाली यह बीमारी अक्सर परिवार के लिए असहनीय हो जाती है। इंसान रास्ते में भी भटक जाता है. लेकिन आज पचास वर्षों के दवा अनुसंधान के बाद इस बीमारी के लिए 25 से 30 दवाएं उपलब्ध हो गई हैं, जो रोगी की मदद कर सकती हैं। अगर बीमारी पकड़ में आ जाए और इलाज किया जाए तो इसे ठीक किया जा सकता है। भले ही बीमारी ठीक न हो, लेकिन इसे नियंत्रित किया जा सकता है।

यह रोग किसी भी उम्र में हो सकता है। हालाँकि, यह बीमारी यौवन और प्रारंभिक किशोरावस्था के दौरान होने की अधिक संभावना है। रोगी नौकरी, व्यवसाय, परिवार, समाज जैसे जीवन के महत्वपूर्ण क्षेत्रों से विमुख हो जाता है। साथ ही मरीज को खुद भी नहीं पता होता कि वह इस बीमारी का शिकार है। इस बीमारी के बारे में सच्चा ज्ञान फैलाने के उद्देश्य से हर साल 24 मई को विश्व सिज़ोफेनिया दिवस के रूप में मनाया जाता है।

एसवीएनआईटी, पिपलोद में 'कृषि में डिजिटलीकरण' विषय पर संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया

सूरत।

कृषि को डिजिटल बनाने की परिवर्तनकारी क्षमता पर विशेषज्ञ वक्ताओं की एक पैनल चर्चा सरदार वल्लभभाई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान-एसवीएनआईटी, पिपलोद में श्री विकास चंद्र रस्तोगी, प्रमुख सचिव, उच्च और तकनीकी शिक्षा विभाग, महाराष्ट्र की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी। जिसमें कृषि क्षेत्र के भविष्य के साथ-साथ कृषि में डिजिटल क्रांति के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं।

इस कार्यक्रम में सचिव ने कृषि क्षेत्र के अधिक टिकाऊ और कुशल विकास के लिए प्रौद्योगिकी की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि डिजिटल उपकरणों और नवाचारों में कृषि क्षेत्र में विभिन्न चुनौतियों का सामना करने की क्षमता है, जिससे कृषि प्रथाओं में महत्वपूर्ण प्रगति हो सकती है। भविष्य में।

आगे श्री रस्तोगी ने कहा कि कृषि की उत्पादकता और लचीलापन बढ़ाने में डिजिटल समाधान की भूमिका महत्वपूर्ण है। कृषि क्षेत्र में डिजिटल प्रौद्योगिकी के उपयोग और नवाचार से किसानों को आने वाली चुनौतियों का सामना करने में काफी मदद मिलेगी।

इस अवसर पर एसवीएनआईटी के निदेशक प्रो. अनुपम शुक्ल ने उपस्थित सभी लोगों से श्री रस्तोगी द्वारा दिये गये ज्ञान एवं विचारों का अनुसरण करने एवं उन्हें संबंधित क्षेत्रों में क्रियान्वित करने का अनुरोध किया।

योग पर सेमिनार का हुआ आयोजन

सुरत भूमि, सूरत। अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा योग पर सेमिनार का आयोजन बुधवार को शाम साढ़े चार बजे से सिटी-लाईट स्थित महाराजा अग्रसेन भवन के वृंदावन हॉल में किया गया। सूरत योगा टीचर्स एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित सेमिनार में सौ से अधिक महिलाएँ शामिल रहीं। सेमिनार में आसन का शाब्दिक अर्थ, शारीरिक मुद्रा, योगासन, साउंड हिलिंग आदि कि बारे में विस्तार से बताया। शरीर को निरोग कैसे रखे आदि पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इस मौके पर महिला शाखा कि रितु गोयल, दीपाली सिंघल, आरती मित्तल, सरोज अग्रवाल, सीमा कोकडा सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल अहमदाबाद ने शुरुआती चरण में डायग्नोसिस एवं सही तरीके से इलाज का समर्थन करते हुए विश्व सिज़ोफ्रेनिया दिवस मनाया

अहमदाबाद ।

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल, अहमदाबाद ने सिज़ोफ्रेनिया के मरीजों के लिए समाज में बदनामी के खिलाफ लड़ाई में कदम आगे बढ़ाने और इस बीमारी के बारे में खुलकर चर्चा करने हेतु जागरूकता बढ़ाने की हिमायत करके विश्व सिज़ोफ्रेनिया दिवस मनाया। पूरी दुनिया 24 मई, 2024 को विश्व सिज़ोफ्रेनिया दिवस मनाने की तैयारी कर रही है, जिसे देखते हुए अस्पताल भी अब वैश्विक समुदाय के साथ मिलकर जागरूकता फैलाने और सिज़ोफ्रेनिया से पीडित मरीजों के लिए सहयोग बढ़ाने की मुहिम में शामिल हो गया है।

इस साल का विश्व सिज़ोफ्रेनिया दिवस काफी मायने रखता है, क्योंकि इस साल के आयोजन की थीम च्सामुदायिक सद्भाव की ताकत का जश्न मनानाज् है। यह सिज़ोफ्रेनिया के मरीजों और उनकी देखभाल करने वालों के बीच बेहतर तालमेल के साथ-साथ इससे संबंधित रिसर्च एवं इलाज के विकल्पों में हुई प्रगति पर चिंतन करने का समय है, जो मरीजों के जीवन को लगातार बेहतर बना रहे हैं। सिज़ोफ्रेनिया से पीड़ित लोग पूरी दुनिया में मौजूद हैं, जो इस बीमारी से पीड़ित लोगों के साथ-साथ उनके परिवारों और समुदायों को भी प्रभावित करता है। इस तरह की तमाम चुनौतियों के बावजूद, समाज में बदनामी का डर आज भी कायम है क्योंकि अक्सर समाज में सिज़ोफ्रेनिया को मानसिक रूप से कमजोर करने वाली बीमारी के तौर पर देखा जाता है।

सिज़ोफ्रेनिया एक तरह का मनोरोग है, जिसमें इंसान के दिमाग में कुछ खास हिस्सों में रसायनों (केमिकल्स) का असंतुलन हो जाता है। इसी असंतुलन की वजह से इंसान के विचारों, उसके काम-काज और जज्बातों के बीच तालमेल की कमी हो सकती है। सामान्य तौर पर लोगों के बीच एक ग़लतफ़हमी यह है कि सिज़ोफ्रेनिया से पीड़ित व्यक्ति दोहरे व्यक्तित्व (स्प्लिट-पर्सनैलिटी) का शिकार हो जाता है, जो पूरी तरह से झूठ है। सिज़ोफ्रेनिया के मरीजों का व्यक्तित्व भी दूसरे सभी लोगों की तरह एक ही होता है। इसके कुछ खास लक्षणों में बेतरतीब सोच, भ्रम और वहम शामिल हैं।

सिज़ोफ्रेनिया का कारण पूरी तरह से समझा नहीं जा सका है और इस बीमारी से पीड़ित मरीजों का इलाज करने वाले डॉक्टरों के लिए आज भी यह उलझन भरा क्षेत्र बना हुआ है। हालाँकि, ऐसा माना जाता है कि आनुवांशिक, पर्यावरणीय और न्यूरोबायोलॉजिकल कारकों के एक साथ मिलने की वजह से यह बीमारी सामने आती है। परिवार में पहले भी किसी के सिज़ोफ्रेनिया से पीड़ित होने से व्यक्ति में इस बीमारी के विकसित होने का खतरा बढ़ जाता है। न्यूरोट्रांसमीटर में असंतुलन और मस्तिष्क की संरचना में असामान्यताओं की वजह से भी यह बीमारी हो सकती है। इन सब बातों के अलावा, दर्दनाक अनुभव या लंबे समय का तनाव भी कमजोर लोगों में इसके लक्षण पैदा कर सकता है।

सिज़ोफ्रेनिया का व्यक्तियों, परिवारों और समाज पर गहरा प्रभाव पड़ता है। इस अक्सर इस बीमारी के लक्षणों का अनुभव करने वाले मरीजों को समाज से अलग-थलग कर दिया जाता है, उनके लिए रोजगार हासिल करना कठिन हो जाता है, तथा शारीरिक सेहत से जुड़ी समस्याओं के साथ-साथ उनका जीवनकाल भी कम हो जाता है।

मेकमाईट्रिप ने ट्रेन यात्रा अनुभव में बदलाव लाने के लिए पेश कीं अभूतपूर्व तकनीक-संचालित सुविधाएँ

गुरुग्राम। भारतीय रेलवे देश की लाइफलाइन के रूप में काम करती है, जो इसके विशाल और विविधतापूर्ण परिदृश्य को जोड़ती है। भारतीय रेलवे के साथ हर यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के प्रयास की कड़ी में भारत की अग्रणी ऑनलाइन ट्रैवल कंपनी मेकमाईट्रिप ने हर रेलवे यात्रा को बेहतर बनाने और सामान्य उपभोक्ता समस्याओं को दूर करने के लिए डिजाइन की गई तकनीक-संचालित सुविधाओं की लॉन्चिंग की घोषणा की है।

कंपनी ने सक्रिय रूप से तकनीक-संचालित समाधानों की खोज करते हुए, यात्रियों के बुकिंग अनुभव को अलग-अलग चरणों में विभाजित किया है। ट्रेन टिकट बुकिंग को लेकर ग्राहकों की सबसे बड़ी चिंता कन्फर्म टिकट हासिल करने में होने वाली कठिनाई है। आमतौर पर कन्फर्म टिकट के लिए बुकिंग विंडो निर्धारित यात्रा से 120 दिन पहले खुलती है और तेजी से भर भी जाती है, जिससे अनेक यात्रियों के हिस्से में वेटिंग लिस्ट वाले टिकट आते हैं। यह एक अहम चुनौती है, खासतौर पर उन समूह यात्रियों के लिए जो अपनी योजनाओं के बारे में अनिश्चित हैं और पूरी रकम एडवांस देना नहीं चाहते हैं। इस संबंध में मेकमाईट्रिप ट्रेनों में अपनी तरह का पहला एक गेम चेंजर सीट लॉक फीचर लेकर आ रहा है, जो यात्रियों को सिर्फ 25% किराया देकर कन्फर्म टिकट बुक करने की सुविधा प्रदान करता है, इसमें शेष रकम का भुगतान यात्रा शुरू होने से 24 घंटे पहले करना पड़ता है। ट्रेन टिकट बुकिंग के मामले में एक और अहम समस्या यह है कि यात्रा की पसंदीदा तिथि पर सीधी ट्रेनों या पसंदीदा ट्रेनों में कन्फर्म टिकट हमेशा उपलब्ध नहीं रहते हैं। इससे यात्रियों के पास बहुत कम विकल्प मौजूद होते हैं। मेकमाईट्रिप की कनेक्टेड ट्रैवल सुविधा बस और ट्रेन यात्राओं को आसानी से संयोजित करके और ठहरने के समय और समग्र यात्रा अवधि पर ध्यान देते हुए कई संयोजन प्रदान करके इसका समाधान करती है।

मेकमाईट्रिप के सह-संस्थापक और समूह सीईओ राजेश मागोव ने कहा, "हम ट्रेन यात्रा को समृद्ध बनाने और मेकमाईट्रिप पर हर यात्रा का एक यादगार अनुभव सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। योजना बनाने और सही ट्रेन चुनने से लेकर, वास्तविक खरीदी का अनुभव और आगमन-पूर्व चरणों तक हमने ट्रेन यात्रा के हर पहलु पर ध्यान दिया है। ट्रेन बुकिंग और यात्रा के हर चरण में हमारे नए हस्तक्षेपों की शुरूआत के साथ, हम यात्रियों को विकल्प, लचीलापन और मानसिक शांति के साथ सशक्त बनाने, सहज, सुविधाजनक और सुखद ट्रेन यात्रा के लिए एक नया मानक स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

सूरत के निवासी सितार साधक और संगीतकार भगीरथ भट्ट "महाराष्ट्र गौरव पुरस्कार" से सम्मानित

सुरत भुमि, सूरत । सूरत में रहने वाले सितार साधक और संगीतकार भगीरथ भट्ट को "महाराष्ट्र गौरव पुरस्कार" से सम्मानित किया गया है। पुरस्कार समिति द्वारा एक गुजराती कलाकार को इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया जाना, वाकई में सूरत एवं गुजरात के लिए गौरव का क्षण है।

विशेष रूप से, संगीत श्रेणी की बात करें तो, ऐसे कई दिग्गज है, जिन्हें इस संमान पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। जिसमें पद्मश्री सोनू निगमजी, पद्मश्री हृदयनाथ मंगेशकरजी, पद्मविभूषण उस्ताद अमजद अली खानजी और रूपकुमार राठौड़जी शामिल हैं।

यह पुरस्कार केवल संगीतकारों की श्रेणी तक ही सीमित नहीं था। यह अभिनेताओं, चित्रकारों, प्रभावशाली लोगों, पत्रकारों, वास्तुकारों और अन्य विभिन्न क्षेत्रों के लिए भी था।

बीते 25 वर्षों से अपनी सितार साधना कर रहे भगीरथ भट्ट ने संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, स्विट्जरलैंड, ओमान, दुबई, दक्षिण कोरिया, रूस, मॉरीशस, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और कई अन्य देशों में लाइव इंडियन क्लासिकल शो, फ्यूजन शो और बॉलीवुड संगीत शो किए हैं, जिसने सितार को वर्तमान संगीत प्रवृत्ति में बहुत आगे ला दिया है। वे इंडियन आइडल, सा रे गा मा पा, केबीसी, एमटीवी अनप्लग्ड जैसे कई अन्य संगीत रियलिटी शो का हिस्सा रहे हैं।

उनकी यह यात्रा केवल भारतीय प्रोजेक्ट तक ही सीमित नहीं है, उन्हें अवतार - द लास्ट एयरबेंडर, अमेरिकन गांधी आदि जैसी हॉलीवुड फिल्मों में काम करने का सौभाग्य मिला है।

उन्होंने पद्मावत, मलाल, हम दो हमारे दो, मिशन रानीगंज, एक था विलेन रिटर्न्स और कई अन्य बॉलीवुड फिल्मों के लिए भी सितार बजाया है।

यह सूची अभी खत्म नहीं हुई, वे भारत की कुछ सर्वश्रेष्ठ वेबसीरीज़ जैसे बंदिश बैंडिट्स, हाल ही में रिलीज़ हुई हीरामंडी, कोटा फैक्ट्री, गुल्लक, क्यूबिकल्स आदि में भी एक अभिन्न हिस्सा रहे हैं।

श्री भगीरथ भट्ट ने पवित्र रिश्ता, ये रिश्ता क्या कहलाता है, अनुपमा आदि जैसे कुछ बेहतरीन टेलीविजन धारावाहिकों के लिए भी सितार बजाया है

प्रोटीन से भरपूर प्राकृतिक आहार, जो प्रोटीन सप्लीमेंट्स का अच्छा विकल्प हो सकते हैं

प्रोटीन आपके शरीर की संपूर्ण सेहत के लिये जरूरी है, क्योंकि ये मांसपेशियों, ऊतकों और हॉर्मोन के लिए एक बिल्डिंग ब्लॉक का काम करता है। प्रोटीन मेटाबोलिज़्म को नियमित करने में सहायक होता है, इम्युन फंक्शन को सहयोग देता है और लगातार ऊर्जा प्रदान करता है। सुविधा के लिये कई लोग प्रोटीन सप्लीमेंट्स लेते हैं लेकिन हैदराबाद के नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ न्यूट्रीशन (एनआईएन) ने हाल ही में डाइट को लेकर नये दिशा-निर्देश जारी किये हैं, जो शरीर बनाने के लिये सप्लीमेंट्स का इस्तेमाल न करने की सलाह देते हैं। ऐसे में प्रोटीन के प्राकृतिक स्रोतों को समझने और अपनाने का महत्व पता चलता है।

एक अनुभवी डायटीशियन होने के नाते, मैं अपने क्लाइंट्स को प्रोटीन सप्लीमेंट्स छोड़ने और प्रोटीन के प्राकृतिक स्रोतों, जैसे कि बादाम को प्राथमिकता देने की सलाह लगातार देती हूँ। बादाम की तरह और भी विकल्प हैं, जो बिना साइड इफेक्ट्स के सेहत को कई फायदे देते हैं और संपूर्ण तंदुरुस्ती में योगदान देते हैं। मैं इस लेख में प्रोटीन के कुछ प्राकृतिक स्रोतों के बारे में बताने जा रही हूँ, जो न केवल बेहद पौष्टिक हैं, बल्कि आसानी से आपकी डाइट में शामिल भी हो सकते हैं। बादाम प्रोटीन का पावरहाउस हैं और यह अनिवार्य पोषक-तत्व बादाम में प्राकृतिक तरीके से अच्छी-खासी मात्रा में होता है। बादाम बेहद पौष्टिक होती है, इसका उपयोग कई तरीके से किया जा सकता है और अपनी डाइट में प्रोटीन को शामिल करने के लिये यह एकदम उचित है। बादाम में 15 जरूरी पोषक-तत्व होते हैं, जैसे कि प्रोटीन, सेहतमंद फैट्स, फाइबर, विटमिन 'ई' और मैग्नीशियम। बादाम से सेहत को तरह-तरह के कई फायदे मिलते हैं।

होम क्रेडिट इंडिया की ओर से किए गए "द ग्रेट इंडियन वॉलेट" अध्ययन से वित्तीय कल्याण में बढ़ते आत्मविश्वास का पता चलता है

नई दिल्ली ।

अग्रणी ग्लोबल कंज़्यूमर फ़ाइनैंस प्रोवाडर की स्थानीय शाखा, होम क्रेडिट इंडिया (HCIN) ने अपने इन-हाउस वार्षिक कंज़्यूमर सर्वे ङ्क द ग्रेट इंडियन वॉलेट स्टडी: प्रमुख फ़ाइनैंशियल पहलुओं के प्रति कंज़्यूमर का व्यवहार का दूसरा संस्करण जारी किया।

"ग्रेट इंडियन वॉलेट" का अध्ययन दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, अहमदाबाद, पुणे, लखनऊ, जयपुर, भोपाल, पटना, रांची, चंडीगढ़, देहरादून, लुधियाना और कोच्चि सहित 17 शहरों में किया गया था। सेंपल साइज़ 18 -55 वर्ष के आयुवर्ग में लगभग 2500 था, जिसकी वार्षिक आय 2 लाख रुपए से 5 लाख रुपए तक की थी।

इसके परिणामों पर बोलते हुए, होम क्रेडिट इंडिया के चीफ़ मार्केटिंग ऑफ़िसर, आशीष तिवारी ने कहा- "ग्रेट इंडियन वॉलेट" अध्ययन हमारे लिए दिशादर्शक के रूप में काम करता है, जो हमें हर साल कंज़्यूमर के फ़ाइनैंशियल व्यवहार के जटिल परिदृश्य के ज़रिए मार्गदर्शन करता है मूलभूत व्यवहार संबंधी रुझानों पर गौर करके, हम घरेलू फ़ाइनैंशियल स्थिरता और फ़ाइनैंशियल ट्रांज़ैक्शन में टेक्नॉलॉजी से जुड़े संभावित जोखिमों के बारे में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्राप्त करते हैं। इस साल का अध्ययन मज़बूत आर्थिक विकास के कारण शहरी और अर्ध-शहरी कंज़्यूमर्स के बीच समग्र वित्तीय कल्याण में उछाल को दिखाता है, जो कंज़्यूमर भावनाओं, खर्च के पैटर्न और विभिन्न जनसांख्यिकी और खंडों के बीच बचत की आदतों में स्पष्ट अंतर्दृष्टि देता है।"

"ग्रेट इंडियन वॉलेट" अध्ययन के अनुसार, वर्तमान स्थिति और भविष्य की धारणा दोनों के संदर्भ में शहरी और अर्ध-शहरी कंज़्यूमर्स के बीच वित्तीय कल्याण सूचकांक में पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि हुई है। 52% कंज़्यूमर्स ने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में चालू वर्ष में उनकी आय में वृद्धि हुई है, जबकि 74% कंज़्यूमर्स को उम्मीद है कि आने वाले वर्ष तक उनकी आय में वृद्धि होगी। लगभग दो-तिहाई दावा करते हैं कि वे आनेवाले वर्ष में अधिक (66%) बचाने और अधिक (66%) इंवेस्ट करने में सक्षम होंगे। कंज़्यूमर्स भावना में यह उछाल अर्थव्यवस्था में वृद्धि, कमाई की क्षमता में वृद्धि और आय वृद्धि की सकारात्मक धारणा से प्रेरित है।

डिजिटल ट्राज़ैक्शन के दायरे में, यूपीआई (यूनिफ़ाइड पेमेंट इंटरफ़ेस) अब भी एक फ़ोकल पॉइंट बना हुआ है, जो फ़ाइनैंशियल फ़्रॉड का जोखिम कम करने के लिए अत्यधिक सतर्कता और सुरक्षा उपायों की ज़रूरत पर ज़ोर देता है। यह अध्ययन इशारा करता है कि 72% यूपीआई के मौजूदा यूज़र हैं, जिनमें पुरुष, जेनरेशन ज़ेड और मेट्रो निवासी इसके ज़्यादा इस्तेमाल में सबसे आगे हैं। विशेष रूप से, यूपीआई का इस्तेमाल चेन्नई में सबसे ज़्यादा (90%) और अहमदाबाद में सबसे कम (58%) है।

इसके अलावा, इस अध्ययन से पता चलता है कि 42% कंज़्यूमर्स, विशेष रूप से पुरुष, जेनरेशन ज़ेड और टियर 1 कंज़्यूमर्स ने यूपीआई पर क्रेडिट का इस्तेमाल करने में दिलचस्पी दिखाई। दिलचस्प बात यह है कि "यूपीआई पर क्रेडिट" का इस्तेमाल करने के कारणों में लोन लेने की समय सीमा (53%), रीटेल सटोर पर पेमेंट में आसानी (44%), बेहतर ऑफ़र पाने की संभावना (23%) और कम शुल्क (16%) शामिल हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)